घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट की गयी

आइए अब हम प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाये। हमारे प्रभु परमेश्वर, स्वर्ग और धरती के महान सृष्टिकर्ता, जो यीशु को मरे हुओ में से फिर वापस ले आया, और हमारे साथ इन दो हजार वर्षों से जीवित है, अपने वचन की पुष्टी करने के लिए सदा जीवित है और हर पीढ़ी के लिए इसे सच्चा ठहराता है। इस समय हम उसकी दिव्य उपस्थिति के लिए बहुत ही धन्यवादित हैं, यह जानते हुए कि हमारे पास यह एक महान आश्वासन है, कि इस जीवन के पूरा हो जाने के पश्चात, हमारे पास इस आने वाले जगत में अनंत जीवन है। प्रभु, इसके लिए आपका धन्यवाद। और वह आशा, प्राणो के लिए लंगर, जो कि तूफान के समय में स्थिर और निश्चित बना रहता है। और जब तूफान आता हैं, और बड़ी–बड़ी लहरें उठती हैं, उसमें विश्वास करने के द्वारा हम महसूस करते हैं कि हम हर लहर को चीर सकते हैं।

2 आज रात, परमेश्वर, हमारी सहायता करें जब हम बीमारों की सेवकाई के लिए आते हैं और आवश्यकता में पड़े लोगों के लिए। हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि जब आज रात हम यहां से जाते है, तो एक भी रोगी व्यक्ति हमारे मध्य में ना हो। होने दे कि आपकी दिव्य सामर्थ से प्रत्येक व्यक्ति चंगा हो, यहां और सारे राष्ट्र में, जो प्रसारण के द्वारा सुन रहे है, होने पाए कि एक भी निर्बल व्यक्ति किसी भी भवन या किसी झुण्ड में से आज रात बाहर न जाए। आपका आत्मा उन्हें चंगाई दे। धर्म का महान सूर्य, अपने पंखों में चंगाई के साथ, ऊपर उठे, और विश्वास की किरणें प्रत्येक के ह्रदय में पहुँच जाए, जब वे इस वचन को सुनते है, पवित्र आत्मा के प्रगटीकरण को देखे उन्हें भरोसा दिलाते हुए कि वह अब भी जीवित है। हम इन आशीषो के लिए प्रार्थना करते हैं पिता, यीशु के नाम में। आमीन।

आप बैठ सकते हैं।

3 हम निश्चित रूप से आज रात यहां होने के लिए इसे एक बड़े सौभाग्य की बात समझते हैं, फिर से, ताकि—ताकि लोगों से बोले और बीमारों के

लिए प्रार्थना करे। हम उन्हें शुभकामनाएं देना चाहते हैं जो इस राष्ट्र से बाहर उस—उस टेलीफोन के जरिये से फिर से आज रात जुड़े हुए है, सारे राष्ट्र भर में। और इसलिए हम प्रार्थना करते हैं परमेश्वर आप में से प्रत्येक को आशीषित करेगा, भरोसा करते है कि वे सब जिन्होंने मसीह को इस सुबह स्वीकार किया है, वे पवित्र आत्मा से भर जायेंगे और जब तक यहाँ धरती पर का जीवन समाप्त ना हो जाये हमेशा ही विश्वासयोग्य और उसके प्रति सच्चे रहेंगे, इस मरणहार जीवन में। और तब वे, ऐसा करने के द्वारा, उनके पास अनंत जीवन होगा। वे इस आने वाले युग में कभी नहीं मरेंगे, उस महान युग में जिसके लिए हम आगे देख रहे हैं।

4 अब हम यह कहने जा रहे हैं, जबकि मैं इस पर सोच रहा हूं, ना ही रुकावट डालने के लिए। भाई वेयल यहां पर है, और सम्भव है मैं उसे देख नही पा रहा हूं। मैं... क्या मैं यह लेख आपके पास भेज सकता हूं, जब मैं ट्यूसान वापस जाऊंगा? मैं इसे देख रहा हूं, अभी तक पूरा नहीं पढ़ा है, और जैसे ही मैं ट्यूसान वापस जाऊंगा, मैं आपको जल्द ही भेज दूंगा।

5 अब मैं एक घोषणा को करना चाहता हूं। यह विशेषकर हर जगह की कलीसियाओ के लिए, विशेषकर पश्चिम में, या कहीं भी जो आना चाहते हैं। हमारे अच्छे भाई, भाई पेरी ग्रीन, जो साथ... यहां ये वह व्यक्ति है जो इस टेलीफोन प्रसारण के जुड़ने से प्रोत्साहित करता है। प्रभु ने उसके ह्रदय में यह डाला है कि वह यहां ट्यूसान में आकर हमसे भेंट करे, और ट्यूसान में बेदारी को आरंभ करें, जिसकी हमें वास्तव में आवश्यकता है। और भाई पेरी ट्यूसान में होंगे। यदि आप उनसे संपर्क करना चाहते हैं, तो हमारे वहां के ऑफिस से सम्बन्ध स्थापित करे। यह अगस्त में 10, 11, 12 और 13 तारीख को होगी। उसके ह्रदय पर यह बहुत समय से था, और मैंने उसे बताया कि वहां "केवल एक तरीका है कि अपने ह्रदय के इस बोझ को उतारे, कि जाकर इसे करो।" और वह एक मसीही भाई है, परमेश्वर का एक सच्चा सेवक। और आप जो लोग ट्यूसान में है, मैं जानता हूं कि आप लोग आशीषित होंगे जब वो वहीं पर कहीं तो सेवकाई के काम को करता है, शायद रमादा इन या जहां कहीं भी प्रभु स्थान को प्रदान करता है, उसे यहाँ पर स्थान नहीं मिला। लेकिन मैं जानता हूं कि आप आकर भाई ग्रीन को सुनेंगे, तो आशीषित होंगे जब वो परमेश्वर के वचन को समझाते हैं, शायद बीमारों के लिए प्रार्थना करते है, या जो कुछ भी करने के लिए परमेश्वर के अभिषेक के कर्तव्य में रखा है।

6 हम भाई ओरमन नेविल, भाई मान का भी, उनके साथ इस अद्भुत समय की संगति के लिए धन्यवाद करते है। मैं किस तरह से बहुत ही आभार को प्रकट करता हूं कि मैं भाई नेविल, भाई मान, जैसे लोगो से जुड़ा हुआ हूं, और यहां आस पास के सारे सेवक लोगों से। मैं समझता हूं उन्हें पहचान लिया गया है। यदि आपने हमारे बोर्ड और हमारी कलीसिया को नही पहचाना है, तो मुझे पक्का है कि परमेश्वर आपको अपने सेवकों के समान पहचानता है। होने पाए कि प्रभु आपको सदा आशीष दे।

7 अब, मुझसे यहाँ कुछ पूछा गया था, एक छोटी सी टिप्पणी को मुझे दिया गया था, ताकि... एक रात उन लोगो की यहां ट्रस्टी की बैठक हुई, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी और डिकन की, और मैं सोचता हूं कि बैठक का विवरण आज सुबह कलीसिया के सामने पढ़ा गया। जो कि, यह करना हमारे लिए रिवाज है। वे निर्णय जो बोर्ड ऑफ ट्रस्टी और डिकनो के द्वारा यहाँ कलीसिया में लिए गए है, निश्चय ही, यह हर एक को खुश नहीं कर सकते। हम यह नहीं कर सकते। मेरा ट्रस्टी बोर्ड से कोई मतलब नही है या डिकन बोर्ड से। मेरे उसमें वोट भी नहीं देता है, जब तक वहां बराबरी ना हो, और तो फिर ऐसा करने के लिए मुझे यहां होना है, भाई ओरमन नेविल दूसरा वोट लेते हैं। तब हमें इस पर हस्ताक्षर करने होते हैं, क्योंकि हम कलीसिया के भाग हैं। लेकिन ट्रस्टी बोर्ड और उनके बोर्ड के निर्णय जो वे लेते हैं, हम निश्चित रूप से उनके समर्थन में एक सौ प्रतिशत खड़े होते हैं, क्योंकि वे इसी लिए यहां पर हैं। और उनके निर्णय उनके और परमेश्वर के बीच में हैं। मेरा किसी भी प्रकार से उनसे निर्णय के विपरीत मतभेद नहीं हो सकता, ना ही होगा। और दूसरी बात, संयुक्त राज्य की सरकार द्वारा मुझे किसी भी निर्णय को लेने की मनाही है, इस सम्बन्ध में, इसलिए उनके निर्णय का सुधार करने के लिए मुझ से ना कहे। मैं इसे नहीं कर सकता, और मैं इस विषय में कुछ भी नहीं सुनूंगा। समझे? इसलिए उनके निर्णय का सुधार करने के लिए मुझसे ना कहे। आप बोर्ड से ही मिले, जो निर्णय को लेता हैं। तो ठीक है।

8 अब आने वाली बैठक में, यह संभव है, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो, मैं यहां चार से छह सप्ताहो में वापस आऊंगा, या ऐसा ही कुछ, हो सकता है दूसरे रविवार की सभा के लिए। और इस सुबह मैंने घोषणा की है कि मैं *परमेश्वर अपने ही वचन में प्रगट हुआ* इस विषय पर बोलूंगा, और अब आज रात मेरे पास समय नहीं होगा, और, खुले रूप में, मेरे पास इसे करने के लिए पर्याप्त आवाज नहीं है। और फिर भीड़, वहाँ जितने बाहर लोग है

उतने ही लोग अंदर है, और, हो सकता है अधिक होंगे, उन बसों और ट्रकों और इत्यादि को गिनते हुए जो बाहर खड़े हुए है जिसमें लोग हैं। उस छोटे से प्रसारण को चालू किया है, थोड़ा सा आगे करके, हम इसे सुन सकते है, यह छोटा सा प्रसारण, आराधनालय से छोटी सी तरंग, हम इसे शहर के खण्ड की दूरी से पकड़ सकते हैं। और कुछ कारें बहुत सी शहर के खण्ड की दूरी से, कारो की कतारे, ऊपर और नीचे, और हर कहीं और सड़कों में, आज रात आराधनालय के आसपास। मैं नहीं सोचता कि कभी भी, प्रत्यक्ष रूप से, आज रात कलीसिया के भीतर और बाहर पहले से कहीं ज़्यादा लोग इकट्ठा हो गए हैं। इसलिए हम लोग... और बहुत से, बहुत से, बहुत से लोग बस गाड़ी से आ रहे हैं और लौटकर जा रहे हैं।

9 इसलिए यह दर्शाता है, "जहाँ लोथ है, उकाब जमा होंगे।" और मैं आपसे आज रात्री, इस लोगों के छोटे झुण्ड में कह सकता हूं, यह एक अंतरराष्ट्रीय सभा है। व्यावहारिक रूप में सयुक्त राज्यों के दो तिहाई का यहां प्रतिनिधित्व है, पांच विदेशी देशों को छोड़, यहां तक की रूस, और देश के सारे विभिन्न भाग को छोड़। वहां दूर वेनेज़ुएला में, वहां जमाईका में, राष्ट्र के सारे विभिन्न भाग से, लोग यहां पर हैं, परमेश्वर के लिए भूखे और प्यासे है। क्या ही शानदार समय है!

10 अब मैं चाहता हूं, बाईबल को पढ़ने से पहले, क्या आप अब मेरे लिए प्रार्थना करेंगे। प्रभु की इच्छा हुई तो, मैं—मैं इस विषय पर एक छोटा सा संदेश लाने का प्रयास करूंगा, दिव्य चंगाई को अपने खुद के लिए उपयोग करना। क्योंकि, इस सुबह हमने उद्धार के विषय में बातें की। और आज रात हम दिव्य चंगाई के ऊपर कुछ मिनटों के लिए बोलने जा रहे हैं, और तब प्रार्थना पंक्ति को बुलायेंगे और लोगों के लिए प्रार्थना करेंगे। जबकी हम रेडियो प्रसारण के द्वारा यह कर रहे हैं, आप जहां कहीं भी है, यहां तक कि बाहर बसों और कारों में आसपास, और आराधनालय से एक या दो खण्ड के भीतर; जब बीमारों के लिए प्रार्थना करने का समय आता है, यदि आप भवन के भीतर नहीं आ सकते है... जैसा कि आप नहीं आ सकते, अब मुझे पक्का है, क्योंकि दरवाजो के रास्ते भीड़ से भरे हुए है, पहले से ही, और कहीं भी कोई स्थान नहीं है, इसलिए आप प्रार्थना करें और एक दूसरे पर अपने हाथों को रखें। और प्रत्येक सेवक जो आज रात इस प्रसारण से जुड़ा हुआ है, अपनी सभा के लोगों के लिए भी प्रार्थना करे, जब चंगाई सभा चल रही हो। हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर हर कहीं पर सर्वव्यापी

है। अब इससे पहले हम पढ़ें या...

11 इससे पहले कि हम—हम प्रार्थना करें, हम कुछ परमेश्वर के वचन को पढ़ना चाहते हैं। और मैंने थोड़ी देर पहले पढ़े जाने अपने—अपने वचनों को बदल दिया, क्योंकि मैं उस सभा के तरीके को बदलना चाह रहा था जो कि मैंने अपने विचार में आज रात के लिए तय किया था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा सा बदल दिया है; और इसलिए मुझे अपने वचनों का लेख बदलना पड़ा, ना ही उन्हें बदला, लेकिन उसे दूसरे क्रम में व्यवस्थित किया है, दिव्य चंगाई के क्रम में, ताकि—जिससे कि लोग समझ जायें।

आइए हम संत लुका का 24वां अध्याय निकाले। और हम 24वें अध्याय के 12वें पद से आरंभ करेंगे, और लगभग 34वे तक पढ़ेंगे। यह प्रभु यीशु के पुनरुत्थान पर है।

तब पतरस, *उठ कर, और कब्र की ओर दौड़ गया; और झुक कर,* और *उसने केवल सन के वस्त्र देखे... अपने आप में अचम्भा कर रहा था उस बात पर जो हुआ था।*

और, देखो, उसी *दिन उनमें से दो जन इम्माऊस नामक एक गांव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से कोई साठ मील की दूरी पर था।*

अब, यह दस फरलांग का एक—एक मील होता हैं, इसलिए यह लगभग छह मील था।

और जब *वे इन सब बातो पर जो हुई थी... आपस में बातचीत करते जा रहे थे।*

... ऐसा हुआ कि जब वे आपस में बातचीत और पूछ–ताछ कर रहे थे, तो यीशु स्वयं पास आकर, और उनके साथ हो लिया।

लेकिन उनकी आंखें ऐसी बन्द कर दी गई थी कि उसे पहचान न सके।

और उसने उनसे पूछा, ये क्या बातें हैं जो तुम चलते–चलते आपस में करते हो, और वे उदास से खड़े रह गए?

और यह सुनकर उनमें से क्लियोपास नामक एक व्यक्ति ने उससे उत्तर में कहा, *क्या तू यरूशलेम में अकेला परदेशी है, और* जो

तू *नहीं जानता,* कि इन *दिनों में... उसमें क्या–क्या बातें घटित हुई हैं?*

और उसने उनसे पूछा, कौन सी बातें?

अब याद रखे, यह यीशु स्वयं, जी उठकर, उनसे बातें कर रहा है।

और उन्होंने उस से कहा, यीशु नासरी के विषय में, जो परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और वचन में *सामर्थी भविष्यव्यक्ता था:*

... और महायाजको और हमारे सरदारों ने उसे पकड़वा दिया कि... *कि—कि उस पर मृत्यु की आज्ञा दी जाए, और उसे क्रूस पर चढ़ाया।*

परन्तु हमें भरोसा था कि वही *है जो कि इस्राएल को छुटकारा देगा: और* इन *सब बातों के* अलावा *इस घटना को हुए आज तीसरा दिन था।*

हां, और हम में से कुछ स्त्रियों ने भी हमें अचंभे में डाल दिया है, जो भोर को कब्र पर गयी थी;

और जब उन्होंने उसकी लोथ ना पायी, तो वे आई, यह कहते हुए, कि हम ने स्वर्गदूतों का दर्शन पाया, जिन्होंने कहा... कि वह जीवित है।

और उनमें से कुछ जो हमारे साथ थे, कब्र की ओर गए, और इसे यहां तक वैसा ही पाया, जैसा कि स्त्रियों ने कहा था: परन्तु उसको ना देखा।

अब सुनना; यीशु।

तब उस ने *उन से* कहा, *हे निर्बुद्धियो,... और भविष्यवक्ताओं की सारी बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियो:*

क्या इन चीजों का होना अवश्य ना था कि मसीह इस दुःख को उठा कर, अपनी महिमा में प्रवेश करे?

तब उसने मूसा और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरंभ करके, सारे *पवित्र शास्त्रों में से अपने विषय में की* सारी *बातों का अर्थ उन्हें समझा दिया।*

इतने में वे उस गांव के पास पहुंचे, जहां वे जा रहे थे: और उसके ढंग से ऐसा जान पड़ा कि वह आगे जाना चाहता है।

परन्तु उन्होंने उसे यह कहकर रोका, कि हमारे साथ रह, क्योंकि संध्या हो चली है, और अब दिन बहुत ढल गया है। तब वह उनके साथ रुकने के लिए भीतर गया।

और ऐसा हुआ, जब वह उनके साथ भोजन करने बैठा, तो उसने रोटी लेकर, इसे आशीषित किया, और उसे तोड़ कर उनको देने लगा।

तब उनकी आंखें खुल गई, और उन्होंने उसे पहचान लिया; और वह उनकी आंखों से ओझल हो गया।

और उन्होंने आपस में कहा, जब वह मार्ग में हम से बातें करता था, तो क्या हमारे मन में उत्तेजना उत्पन्न ना हुई, और जब वो पवित्र शास्त्र का अर्थ हमें समझाता था?

वे उसी घड़ी उठकर, यरूशलेम को लौट गए, और उन ग्यारहो, और उन के साथियों को इकट्ठा पाया, और जब वे उनके साथ थे,

वे कहते थे, प्रभु सचमुच जी उठा है, और शमौन को दिखाई दिया है।

तब उन्होंने मार्ग में की गयी बातें उन्हें बता दी, और यह भी की उन्होंने किस तरह से उसे रोटी तोड़ते समय पहचान लिया।

12 अब आइये हम प्रार्थना करें। प्रिय अनुग्रहकारी पिता, आपके वचन के लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं, क्योंकि आपका वचन सच्चा है, आपका वचन जीवन है। और आप, हे प्रभु, और आपका वचन एक है। इसलिए प्रभु हम आज रात्री प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि आप हमारे बीच पुनरुत्थान की सामर्थ में आयेंगे और आज रात्री हमें दिखायेंगे, उनके समान जो इम्माऊस से आए थे, कि हम भी यही कहते हुए अपने घरों को वापस जायें, कहते हुए, "क्या हमारे भीतर हृदय में उत्तेजना ना हुई?" प्रभु, इसे प्रदान करे, यह अब फिर सांझ की ओर है। क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

13 अब मैं इस बाईबल के विषय में बोलना चाहता हूं। और मेरा आज रात का विषय है, इसके शीर्षक के लिए, जो है: *घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट की गयी। घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट की गयी।*

14 अब, बाईबल सारी दूसरी पवित्र किताबों से भिन्न किताब है। बाईबल एक भिन्न किताब है। यह एक भविष्यवाणी की पुस्तक है, आने वाली घटनाओं को बताती है। और यह यीशु मसीह का प्रकाशन भी है। यह उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक, उसे उसकी परिपूर्णता में लाती है, वो क्या था और क्या है। और सारी पूर्ण किताब, प्रकाशितवाक्य 1:1 से 3 में, कहा यह किताब "यीशु मसीह के प्रकाशन," की एक किताब है, जो कि परमेश्वर का वचन है। "यीशु मसीह का प्रकाशन," परमेश्वर का वचन!

15 अब, बाकी सारी किताबे, पवित्र किताबें, ये केवल एक नीतिशास्त्र की नियमावली है, आचरणों की नियमावली, या धर्मज्ञान की नियमावली। कुछ ऐसा ही... कितनो ने कुरान को कभी पढ़ा है, मुसलमानों की बाईबल, और—और बौद्ध लोगों की किताब, और इत्यादि को? यह बस नीतिशास्त्र की नियमावली है, कि लोगों को कैसे रहना चाहिए, उन्हें कैसे जीवन व्यतीत करना चाहिए, लेकिन यह भविष्यवाणी नहीं करती, इन बातो के विषय में कुछ नहीं कहती या किसी विशेष दानों के लिए जो किसी को दिया गया हो, कि कुछ तो चीज को घटित होना है। ठीक जैसे किसी लॉज से जुड़ना या ऐसा ही कुछ। इसलिए, जब कलीसियाये उस स्थान में आती है कि वह अपनी कलीसिया को लॉज से जुड़ने का स्थान बनाते है, तब वे परमेश्वर के वचन से अलग से दूर भटक जाते हैं।

16 क्योंकि बाईबल यीशु मसीह की जीवित, पहले से बताई गई गवाही है। और जैसे की धरती अपनी भरपूरी में बढ़ चुकी है, और दाखलता भी अपनी परिपूर्णता में बढ़ गई है, दिन भी अपनी परिपूर्णता में बढ़ रहे है, बाईबल यीशु मसीह के व्यक्तित्व में अपनी परिपूर्णता में प्रगट हुई। वो परमेश्वर का प्रकट किया हुआ वचन था, छुटकारे की सम्पूर्ण पूरी किताब। बाईबल परमेश्वर का वचन है, आने वाली बातो को पहले से बताता है। इसके विश्वास करने वाले लेखक के द्वारा आज्ञा को पाते है कि इसे पढ़े और इसके प्रत्येक वचन का विश्वास करें, ना कि इसके बस कुछ भाग का। यदि इसके एक वचन पर भी अविश्वास करते है, तो आप इसका प्रयास करना छोड़ दे, जब तक आप उस वचन पर विश्वास नहीं कर लेते। प्रत्येक वचन पूरी तरह से

सर्वशक्तिमान परमेश्वर का भाग है; परमेश्वर प्रगट बना, उसके वचन में का घाव, यह दिखाता है कि वो कौन है। विश्वासी के रूप में, हमें आज्ञा मिली है कि इसके प्रत्येक वचन का विश्वास करें। और इसे स्वयं परमेश्वर के लेखक के द्वारा लिखा गया है। इसमें कोई भी कुछ भी नहीं मिला सकता या इसमें से कुछ नहीं निकाल सकता है। यदि आप करेंगे, तो यह परमेश्वर की एक विचित्र सी देह होगी। यह ऐसे होगा, मानो जैसे एक हाथ में छह उंगलियां, या—या तीन हाथ हो, या कुछ तो, ऐसे ही कुछ तो मिला देना, या इसमें से कुछ निकाल देना और एक हाथ कम हो, एक उंगली कम हो। यह यीशु मसीह की सम्पूर्ण देह है। और मसीह में, नर होने के नाते, दूल्हा, दुल्हन भी उसी में प्रतिनिधित्व करती है। और यह दोनों एक है। "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, पिता मुझ में, मैं तुम में, और तुम मुझ में।" क्या ही एक सम्पूर्ण तस्वीर है!

17 और इस वचन में सच्चे विश्वासी, जो इसे इसी तरह स्वीकार करते हैं, इसका विश्वास करते है, और धैर्य के साथ इसकी की गयी भविष्यवाणी की प्रतिज्ञाओ के लिए रुके रहते है, उनमें से प्रत्येक अपने युग में प्रगट होगी। हर एक विश्वासी ने इसके लिए दृष्टि को लगाया है। हर एक विश्वासी जो पैर की उंगलियों पर तैयार रहता है, इसके लिए देख रहा है, यही वो एक है जिस पर प्रकट किया जाता है।

18 अब प्रभु यीशु के आगमन के दिनों की ओर देखे। क्यों उन लोगों ने यूहन्ना को नहीं पहचाना, जब की बाईबल यशायाह के द्वारा स्पष्ट बताता है कि, "जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द हो रहा है कि, 'प्रभु के मार्ग को तैयार करो'"? उनका अंतिम भविष्यवक्ता जो उनके पास था, जो कि मलाकी 3 है, कहा, "देखो, मैं अपना दूत अपने आगे मार्ग तैयार करने के लिए भेजता हूं।" उन्होंने इसे क्यों नहीं देखा? क्योंकि वे किसी और चीज के लिए देख रहे थे जो किया गया था, अपने विचारों को किसी संदेश पर आधारित कर रहे थे जो इससे पहले आया था, और परमेश्वर के वर्तमान प्रगटीकरण को देखने में असफल रहे जिस दिन में वे रह रहे थे।

19 और मसीही, हर कहीं, ठीक यहीं पर जहाँ आज रात संसार खड़ा है। बिना विरोध के, यही सच्चाई है! हर जगह, मसीह लोग, किसी नीतिशास्त्र के नियमावली को मुड़ कर देखने का यत्न कर रहे हैं जिसे श्रीमान लूथर ने लिखा, या श्रीमान वैसली, सैंकी, फिन्नी, नॉक्स, केल्विन; जिसके लिए,

हम में से कोई भी बुरा नहीं बोल सकता, लेकिन यह बीते दिनों में था।

20 मूसा ने जो कहा फरीसियों ने उसी बात को मुड़कर देखा, और उन्होंने कहा, "हमारे पास मूसा है। हम नहीं जानते कि तू कहां से आया।"

21 लेकिन याद रखे, जब मूसा यहां पर था, उन्होंने नहीं जाना कि वो कहां से आया है। समझे? और अब वे... कोई आश्चर्य नहीं कि यीशु ने उनसे कहा, "तुम भविष्यद्वक्ताओं की कब्रे सजाते हो, और तुम ही वो एक हो जिन्होंने उन्हें वहां पर डाला।" उनके संदेश के चले जाने के पश्चात! एक संदेश चला जाता है, लोग इसे देखते हैं, वे इसका उपहास उड़ाते हैं (संसार ऐसा करता है)। और तब संदेशवाहक के चले जाने के पश्चात और संदेश पूरा होने के पश्चात, तब वे इस संदेश पर संप्रदाय बनाते हैं। और वहां वे मर जाते हैं, ठीक वहीं पर, और फिर से जीवन तक कभी नहीं आते।

22 कुछ क्षण के लिए कुछ लोगों की ओर देखें, और विशेषकर मैं आप कैथोलिक लोगों से बोल रहा हूं। क्या आपको एहसास हैं, क्या आपने कभी उस असली इतिहास में पढ़ा है, रोमन कैथोलिक कलीसिया के इतिहास में? किस प्रकार आपकी शहीदो की पुस्तक में, संत ऑगस्टाइन ऑफ हिप्पो के बाद से लेकर, कितने लाख भोले लोगों को उस कलीसिया ने मौत के घात उतार डाला! मैं भूल गया, मुझे सही गिनती याद नहीं है, लेकिन यह लाखों में है, जब से संत हिप्पो... संत ऑगस्टाइन हिप्–... हिप्पो का, अफ्रीका, इस घोषणा को किया कि यह पूरी तरह से परमेश्वर की इच्छा है कि जो कोई भी रोमन कैथोलिक कलीसिया का विरोध करता है उसे मार डालो। क्या आपने इस में अनुभव किया, कि संत पैट्रिक को तब तक नही पहचाना गया जब तक उसकी मृत्यु ना हो गयी, एक रोमन कैथोलिक के रूप में? उसने पोप का विरोध किया और उसके सारे कार्य कलापों का, और कैथोलिक कलीसिया स्वयं ने उसके दसियों हजार बच्चों को मार डाला। क्या आप जानते हैं कि कैथोलिक कलीसिया ने जोआन ऑफ आर्क को जलाया, उस छोटी संत महिला को, खूंटे से बांधकर, क्योंकि वो–... कहा कि वह एक जादूगरनी थी। दो सौ साल के बाद, उस याजको की उन शरीरों को खोद कर निकाला, जब उन्हें मालूम पड़ा कि वे गलत थे, और उन्हें समुद्र में फेंक दिया, बिना उन्हें पवित्र भूमि में दफनाए, ताकि प्राश्चित करे।

उस दिन को अपने सिर के ऊपर से ना जाने दे, और मूर्ख न बने।

23 किस तरह से वे याजक आज रात चाहेंगे, कि आगे आये, जिन्होंने यीशु को दोषी ठहराया। केवल एक चीज, उन्होंने कभी भी उस समय की भविष्यवाणी को नहीं देखा। यदि वे... यीशु ने कहा, "वचनों में ढूंढो, क्योंकि तुम सोचते हो कि उनमें," या, मेरा मतलब, "दावा करते हो कि तुम्हारे पास अनंत जीवन है, और वचन तुम्हें बताता है कि मैं कौन हूं," उस घड़ी के लिए।

24 ध्यान दें, बाईबल असफल नहीं हो सकती। यही एक चीज है जो यह नहीं कर सकती, कि परमेश्वर का वचन, असफल हो जाये, क्योंकि यह अपने लेखक के कार्य को उसके इसे करने से पहले बताती है।

25 अब, हजारों में से एक मौका होता है कि एक मनुष्य भविष्यवाणी को कर सकता है कि कुछ तो और घटित होने जा रहा है, और यह घटित होता है। लेकिन यदि वह यह भी बताता है वो स्थान *कहाँ* पर होगा तो उसके लिए संभावना घट जाती हो सकता है दस हजार में एक हो। यदि वह *दिन* बताता है कि ये उस दिन पर होगा, तो संभावना और कम हो जाती है, लगभग दस लाख में से एक। और ऐसा *किसके* साथ होने जा रहा है, तो इसकी संभावना करोड़ों में से एक रह जाती है।

26 लेकिन यह बाईबल आपको बिल्कुल ठीक–ठीक बताती है कि *कौन, कब, कहां,* और *किस* बात के लिए देखे, और कभी एक बार भी असफल नहीं हुआ है। इसलिए, ज्यादा समय नहीं हुआ एक छोटी सी वार्तालाप में, जो यहां सेक्रेड हार्ट के एक याजक के साथ हुई; उसने कहा, "श्रीमान ब्रन्हम, आप बाईबल पर एक वाद–विवाद करने की कोशिश कर रहे हैं।" कहा, "यह तो कलीसिया का एक इतिहास है।"

मैंने कहा, "यह इतिहास नहीं है। यह परमेश्वर है, स्वयं, एक छपे हुए रूप में।"

उसने कहा, "परमेश्वर अपनी कलीसिया में है।"

27 मैंने कहा, "परमेश्वर अपने वचन में है। और इसके विपरीत जो कुछ भी है, वह झूठ है। क्योंकि उसने कहा, 'मेरा वचन सच्चा और हर एक मनुष्य का शब्द झूठा ठहरे।'"

उसने कहा, "हम तर्क–वितर्क के लिए नहीं है।"

28 मैंने कहा, "मैंने आपसे तर्क वितर्क के लिए नहीं कहा, लेकिन बाईबल कहती है, 'आओ, हम तर्क करें।'"

29 इससे पहले कि वह इसे करे, यह लेखक के कार्यों को पहले से बताता है। इसलिए, इसे बताते हुए, यह प्रत्येक पुरुष और महिला को बिना किसी बहाने के न्याय के कटघरे में खड़ी करती है। यदि आप उस बात को लेंगे जो इसके विषय में मेथोडिस्ट बताते हैं, बैपटिस्ट इसके विषय में जो बताते है, कैथोलिक क्या कहते है, पेंटीकोस्टल इसके विषय में जो कहते है, या कोई और कलीसिया, तो हो सकता है आपको न्याय पर कुछ निराशा मिले। लेकिन यदि आप केवल ध्यान दे कि बाईबल क्या कहती है ये घटित होने जा रहा है, और जब यह घटित होता है, तब आप पहचान जायेंगे कि क्या होता है।

30 अब, यह स्पष्ट रूप से प्रकट नहीं है कि सारे लोग इसे देख सके, क्योंकि यीशु ने परमेश्वर को धन्यवाद दिया कि इसे ज्ञानियों और बुद्धिमानों की आंखों से छिपाया, और इसे उन बालकों पर प्रगट करता है जो इसे सीखेंगे। उस सर्वशक्तिमान परमेश्वर के लिए सोचे जो उसके अपने वचन में बैठा हुआ है, सामर्थ के साथ कि धनी और ढीठ और—और पढ़े–लिखे विद्वानों को अंधा कर दे, उनकी आंखों को अंधा करता है ताकि वे उसे ना देख सके, और निर्धनों और अनपढ़ की आंखों को खोलता है।

31 इन इम्माऊस के लोगों पर ध्यान दें, उसने कहा उनकी—उनकी समझ उसके अपने विषय में रुकी हुई थी। उन्होंने उससे बात की और यहाँ तक नही जान पाये कि पूरे दिन उनके साथ कौन था। परमेश्वर ऐसा कर सकता है, क्योंकि वह परमेश्वर है।

32 बिलकुल ठीक यही उसने उन याजको, शास्त्रियों के साथ किया, क्योंकि ऐसा लिखा था कि उसे ऐसा करना था। परमेश्वर ने उनकी आँखों को अँधा कर दिया ताकि हमारे पास एक अवसर हो। ध्यान दें, वे नहीं देख सकते थे, इस से कोई फर्क नही पड़ता कि वे कितने ज्ञानी थे, वे कितने याजक थे, उन्होंने क्या किया, वे फिर भी इसे नहीं देख सकते, क्योंकि वे अंधे थे। शारीरिक रूप से, उनकी दृष्टि बीस–बीस या स्वस्थ हो सकती थी। लेकिन उनकी आत्मिक दृष्टि!

33 ठीक यही चीज आज सुबह मैं व्यभिचारी स्त्रियों के विषय में कहने का यत्न कर रहा था, जिस प्रकार से वे अब कपड़े पहन रही हैं। वे व्यभिचारणी हैं। परमेश्वर की पुस्तक में वे व्यभिचार करने की दोषी हैं जब भी वे कामुक दिखने वाले वस्त्र पहनती हैं। उनके प्राण, इसे नहीं जानते। मैं विश्वास

करता हूं वे स्त्रियां, उनमें से बहुत सी, उनमें से हजारों, निर्दोष हैं, और किसी भी तरह से व्यभिचार नहीं करना चाहती। और वे बेचारी स्त्रियां, जब उनके साथ कोई ऐसा होता है, जो उन्हें खुल कर नही बताता और सच्चाई को नही बताता, तब वे व्यभिचार कर बैठती हैं। जो, बाईबल ने कहा, "वो वैश्या जो बहुत से पानियों पर बैठी है, कि धरती के सारे राजाओं और धरती के लोग, कलीसियाये और इत्यादि ने, इस स्त्री के साथ आत्मिक व्यभिचार किया। और वो **वेश्याओं की मां** थी," वे संप्रदाय।

34 हम बाईबल को ध्यान से देखते हैं, क्योंकि परमेश्वर हमें अंधकार में नहीं छोड़ता। उसने बाईबल को पहले से हमें यह बताने के लिए भेजा इससे पहले कि घटनाये घटित हो, और उसी स्वभाव और समय से वे आयेंगे।

35 अब, यह कुछ इस प्रकार से है कि कलेण्डर में देखते है कि यह कौन सी तारीख है। यदि आप सोचते हैं, कहते हैं कि यह ये दिन है यह शनिवार, रविवार है, यह कौन सा दिन है? तो कैलेंडर की ओर देखिए। कैलेंडर आपको बताएगा कि ये कौन सा दिन है। जब आप लोगों की प्रतिक्रिया को देखते हैं, हो सकता है वे कलीसिया जाते हो, आप देखते हैं उन—उन... घंटियों को बजते सुनते है, आपको सोचते हैं कि आज कौन सा दिन है। आप कैलेंडर को देखे, यह आपको बताएगा कि यह कौन सा दिन है।

36 और जब आप कलीसिया को सांसारिक होता देखते है, जैसा कि यह सादोम के दिनों में था, देखते है कि संसारिक कलीसिया सब उसी में जा रहे है... उस आराधना में जो "इस दृष्ट युग का ईश्वर है," और इसे देखते है; तब छोटे से अल्पसंख्यक झुण्ड को परमेश्वर की प्रेरणा के नीचे एकत्र होते हुए देखते है, जो फिर से यीशु मसीह के जीवन को वचनों के द्वारा उत्पन्न कर रहे है, जिसे घटित होना चाहिए, आप जानते हैं कि आप कौन सी घड़ी में रह रहे हैं।

37 यह बाईबल भविष्यवाणी के द्वारा पहले से बताती है कि हम किस दिन में जी रहे हैं, और किस समय में हम जी रहे हैं, और किस प्रकार की घटनाओं को जगह लेना चाहिए। यह शब्द दर शब्द सही–सही पहले से बताती है, और कभी भी एक युग को भी नहीं चूकी। एक बार भी इसे चूकी नहीं, और ना ही चूकेगी, क्योंकि वे जो इसे देखने के लिए पहले से ठहराये गये हैं वे इसे देखेंगे। यीशु ने कहा, "कोई मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक कि मेरा पिता उसे ना खींच ले, और वे सब जिनको पिता ने मुझे

दिया मेरे पास आयेंगे।" यह वचन है जो वचन के साथ जुड़ता है। यह और कुछ नहीं कर सकता। हम इसे जानते हैं, वह दिन जिसमें हम रह रहे हैं।

38 लेकिन जैसा कि यह हर युग में होता आया है कि लोग मनुष्य को उनका अपना अनुवाद वचन में डालने देते है, और जिसकी वजह से होने वाली घटनाओं के प्रति उन्हें अंधा बना देते है। फरीसियों और सदूकियों के साथ भी ठीक यही बात हुई थी। यहां तक कि जब पौलुस वहां पर खड़ा हुआ और वचन का हवाला देने की कोशिश की, और एक मनुष्य ने उसके मुंह पर थप्पड़ मारा क्योंकि उसने महायाजक को एक चुना लिपी हुई सफ़ेद दीवार कहा। और तब वे परमेश्वर के द्वारा भविष्यवाणी के वचन की पुष्टि करते हुए देखने से चूक गये।

39 देखो, बाईबल स्वयं का विरोध नहीं करती है; बाईबल परमेश्वर है। वहां परमेश्वर में कोई विरोध नहीं है; वो सिद्ध है।

40 लेकिन लोग, उनके अपने अनुवाद के साथ होते है! अब ध्यान दें, मित्रों, मैं आपको दिखाऊंगा। कलीसियायें इसके अनुवाद को लेकर स्वयं आपस में सहमत नहीं हो पाते है। मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट के साथ सहमत नहीं हो सकते, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन के साथ, प्रेस्बिटेरियन, पेंटीकोस्टल के साथ। और पेंटीकोस्ट की लगभग भिन्न–भिन्न चालीस संस्थाए, वे एक दूसरे के साथ सहमत नहीं हो सकते हैं। इसलिए आप देखिए, यह उलझन में डालते हुए फिर से बाबुल होगा।

41 लेकिन परमेश्वर स्वयं अपने वचन का अनुवाद करता है। उसने इस बात की प्रतिज्ञा की है, और फिर उसे स्वयं पूरा करता है। वो स्वयं ही इसका अनुवाद करता है, क्योंकि वह स्वयं को उस घड़ी में प्रगट करता है। मसीह की वो—वो देह कितनी आगे बढ़ गयी है, पैरों से सिर तक!

42 ध्यान दें, तब यही वो कारण है कि यह लोग इसे समझने से चूक जाते है, क्योंकि वे इस बात को सुनते है कि इसके विषय में कोई और क्या कहता हैं, बजाये इसके कि वचन को पढ़े जैसा कि यीशु ने उन्हें करने के लिए कहा, "और वे वही हैं जो मेरी गवाही को देते हैं। वचनों में ढूंढो, तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास अनन्त जीवन है, और वे वही हैं जो मेरी गवाही देते हैं।" दूसरे शब्दों में, सुनिये, "क्या? वचनों में पढ़े और देखे कि मसीहा को क्या करना चाहिए था। देखे कि मसीहा को किस समय में आना चाहिए था। देखो मसीहा के आगे–आगे कौन आने वाला है। उस घड़ी की

ओर देखो। जंगल में एक पुकारने वाले की आवाज़ हो रही है, यूहन्ना। और तुमने जो चाहा उसके साथ ठीक वही किया। देखो, मुझे क्या करना चाहिए था जब मैं आया। और अब तुमने क्या किया है? क्या मैं इसे पूरा करने में असफल रहा? " देखो, यीशु बोल रहा है, "क्या मैं इसे पूरा करने में असफल रहा? "

43 ध्यान दें, जैसे कि दोपहर को हम इस वचनों में से होते हुए आ रहे हैं, कि किस प्रकार से हर एक चीज जो उसके विषय में भविष्यवाणी की गई थी, बिल्कुल ठीक वैसे ही घटित हुई जैसे होना चाहिए था। उन्हें इसे घटना को जानना चाहिए था। "यह कट्टरपंथी, लगभग तैंतीस वर्षीय, जवान व्यक्ति उठ खड़ा हुआ है और... या तीस वर्ष का, और वहां पर जाकर और सभी प्रकार के उजियालों का, और उन पिड़ुकियों के ऊपर की ओर जाने दावा कर रहा है। और, क्यों, यह बस एक—एक अपमानजनक बात है।" उन्होंने कहा कि, "उसका जन्म अवैध माता–पिता से हुआ, और दावा किया गया कि वो एक कुंवारी से जन्मा था।"

44 क्या उन्हें पता नहीं होना चाहिए कि यशायाह ने, यशायाह 9:6 में कहा है, "हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ"? क्या उन्हें यह भी पता नहीं होना चाहिए कि यशायाह भविष्यव्यक्ता ने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी"? उन्हें यह बातें पता होनी चाहिए थी। लेकिन, आप देखिए, ये बातें ऐसी थी, वे इसे कहीं तो आगे लागू कर रहे थे। और उनके लिए, यह मनुष्य, उनके निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नही था। लेकिन उसने उनसे पूछा, "वचन में ढूंढो, क्योंकि तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास अनंत जीवन है, और वे वही बाते है जो मेरे संदेश की गवाही देती है।" ना की किसी धर्मज्ञानी ने क्या कहा; लेकिन जो परमेश्वर ने कहा, उसका अपना वचन, कहा कि क्या बात जगह लेगी! आमीन!

45 ऐसा ही यह अब है! वचनों में ढूढो, क्योंकि वे ही है जो हमें बताते है कि हम कौन से घड़ी में जी रहे हैं, ये हमें ठीक–ठीक बताता है कि आज के दिन क्या घटित होगा। ये ही वे वचन हैं जिन पर आपको निर्भर होना चाहिए, क्योंकि यही वो एक हैं जो उस व्यक्ति यीशु मसीह की गवाही देते हैं। क्योंकि बाईबल ने कहा, कि, "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है," क्योंकि वो इस युग में वचन का प्रकाशन है। भिन्न नही हो सकता।

46 इसलिए मनुष्य के अनुवाद को सुनने के द्वारा, वे परमेश्वर के वचन को

पूरा होने की पुष्टि होते हुए देखते हैं, वे इसे देखने से चूक जाते है। क्योंकि, ऐसा हर समय होता आता है, लेकिन क्योंकि वे सुनते हैं... और यीशु ने कहा कि, "वे अंधे अगुवे हैं।" और यदि अंधा अंधे का मार्गदर्शन करे, तो उनका क्या होगा? अब याद रखें, कि बाईबल ने भविष्यवाणी की है कि इस लौदिकियन युग की कलीसिया सम्बन्धी पीढ़ी अंधी है। उन्होंने उसे कलीसिया से बाहर कर दिया। ना ही किसी दूसरे युग में, दूसरी कलीसिया युग में, कि जहां पर यीशु बाहर था। लेकिन लौदीकिया कलीसियायी युग, वह बाहर की ओर था, अंदर आने का यत्न कर रहा था, "मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटा रहा हूं।" उसे अंदर होना चाहिए। लेकिन उसने कहा, "क्योंकि तुम कहते हो, 'मैं धनी हूं, चीजों की भरपूरी है, किसी चीज की आवश्यकता नहीं है,' और वे नहीं जानते, नहीं जानते कि तुम अंधे हो, अंधे की अगुवाई कर रहे हो, आत्मा में दरिद्र, दु:खी, अभागे, नंगे, और इसे नहीं जानते।" क्या ही–... यदि कोई मनुष्य सड़क पर नंगा हो, अभागा, अंधा, और जानता हो कि उसके पास इतनी समझ है कि आप उसे बता सके कि वह नंगा है, वो इस विषय में कुछ तो करने की कोशिश करे। लेकिन जब वह अपना सिर हिलाता है, कहता है, "मैं इसे नहीं करूंगा। तुम कौन हो कि मुझे बताओं कि मुझे क्या करना है? मैं जानता हूं कि मैं कहां खड़ा हूं।" अब, यदि यह दयनीय अवस्था नहीं है, तो मैं नहीं जानता क्या है। और बिल्कुल ठीक यही है जो इस बाईबल के परमेश्वर ने कहा कि कलीसिया ऐसी होगी, इस दृष्ट युग में जो ठीक अब है, अंतिम कलीसियायी युग जहां हम रह रहे हैं।

47 ध्यान दे, लेकिन लोगों के लिए, "जितनो से मैं प्रेम करता हूं, मैं ताड़ना करता हूं।" अब, जो आप कर रहे है उसके लिए उसी प्रभु से आपकी ताड़ना हुई है, तो फिर इससे बाहर आ जाओ! इससे अलग हो जाये। "जितनों से मैं प्रेम करता हूं, ताड़ना करता हूं।"

48 अब, परमेश्वर को देखते हुए, अब, क्या हो यदि वे फरीसी यह कहे, "एक मिनट रुकना। उस व्यक्ति ने हमें चुनौती दी है, उसने कहा है, 'तुम वचन में ढूढ़ों, क्योंकि तुम सोचते हो कि उन में तुम्हारे पास अनन्त जीवन है; वे मेरी गवाही देते हैं।' यह अच्छा होगा कि वचनों में देखकर और ढूंढ लू कि उसे क्या करना चाहिए, यह कौन है, क्या बात जगह लेना चाहिए। मुझे पीछे मुड़कर देखना चाहिए और पता लगाना चाहिए"? बजाये इसके, कि याजको के पास जाकर और उनसे पुंछु, "इस विषय में क्या है? " भिन्नता

को देखा? उन्हें उस वचन को पढ़ना चाहिए था।

49 इब्रानियों 1:1 में, बाईबल ने कहा, "परमेश्वर ने, भिन्न–भिन्न समय में," यही है, "पुराने बीते समय में और भविष्यवक्ताओं के द्वारा भिन्न–भिन्न प्रकार से बाईबल लिखवाई।" अब ध्यान दें, अपने खुद के चुने हुए तरीके से उसने बाईबल को लिखा। समझे? अब, उसे इसे इस प्रकार से नहीं लिखना था, ना ही मनुष्य को लहू के द्वारा बचाना था। उसे मनुष्य के द्वारा सुसमाचार प्रचार नहीं करना था; वह सूर्य या चंद्रमा या सितारों को सुसमाचार प्रचार करने दे सकता है, वह हवाओं को सुसमाचार को देने दे सकता था। लेकिन उसने मनुष्य को चुना! और उसने मार्ग को चुना उसका वचन आया, और यह उसके भविष्यवक्ताओं के द्वारा था जो कि पहले से ठहराये गये और अभिषिक्त थे, परमेश्वर के वचन का भाग होने के कारण, उस युग और उस समय में उसके वचन के प्रकाशन की घोषणा को कर रहे थे। "क्योंकि परमेश्वर का वचन केवल भविष्यद्वक्ताओं के पास आता है।" ये कभी भी धर्मज्ञानियों के पास नहीं आया। मुझे वचन में से दिखाये। यह केवल भविष्यद्वक्ताओं के पास ही आता है। परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता। इसलिए परमेश्वर ने अपनी बाईबल को अपनी चुनी हुई विधी के द्वारा लिखा, और अपने खुद के चुने हुए भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा; ना ही वे भविष्यद्वक्ता जो मनुष्य ने चुने, लेकिन उन भविष्यद्वक्ताओं को परमेश्वर ने चुना था।

50 तब यह विश्वासी लोग जो उनके भविष्यवक्ता ने कहा, उसे पूरा होने पर ध्यान देते है, और यही इस बात की पहचान है कि वे परमेश्वर के भविष्यव्यक्ता हैं। क्योंकि, पहले, उन्होंने प्रेरणा पाई। फिर, वे ठीक उस घड़ी के वचन के साथ बने रहे। तब यही उसका प्रमाण पत्र है। देखो, हमने पिछले रविवार इन्हीं बातों को देखा। बहुत सारे झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे। और हमने उदाहरण दिया कि कैसे वे बालाम और मूसा, दोनों एक ही आत्मा के द्वारा अभिषिक्त है, उनमें से एक ने कहा, "हम सब एक हैं। आओ हम जुड़ जाए, हमारी लड़कियों और सभी को एकसाथ ले आये। यहां हमारे पास सुंदर लड़कियां हैं, और तुम लड़कों यहां आओ और अपने लिए अच्छी पत्नी चुन लो। यह ठीक है, हम सब एक ही लोग हैं, जो भी हो, एक ही जाति है।" परमेश्वर ने उन्हें इसके लिए कभी भी क्षमा नहीं किया। क्योंकि उन्होंने इस बात को सुना।

51 देखो, संसार और—वे लोग किसी छोटे से मार्ग के लिए देख रहे हैं, कुछ छोटे रास्ते से हटकर, कोई छोटा आसान रास्ता, लेकिन परमेश्वर के वचन में कोई छोटा आसान रास्ता नहीं है। वहां एक नमूना है। आपको उस नमूने में फिट होने के लिए खुद को काटना ही होगा, ना कि उस नमूने को काटने की कोशिश करें जो आपको फिट बैठे। प्रत्येक को अवश्य ही यही करना है। परमेश्वर के पास इसे करने का केवल यही तरीका है।

52 अब ध्यान दें, विश्वासी लोग वचन की पुष्टी की प्रतीक्षा करते हैं। देखिए, यह मनुष्य के द्वारा नहीं लिखा गया, लेकिन प्रभु परमेश्वर के द्वारा, इसलिए यह मनुष्य की किताब नहीं है।

53 किसी ने कहा कि, "यह तो बस पुराने इब्रानी लेख है।" क्या इब्रानी लोग अपने आप को दोषी ठहराने के लिए पत्र लिखेंगे? क्या वो यहूदियों का अच्छा राष्ट्र, जो स्वयं से घोषित और सभ्य कहते है, क्या वे अपने अपराधों को लिखेंगे, वे स्वयं को दोषी ठहरायेंगे? निश्चय ही नहीं। अपने ही पापों को बताये, कि वे कैसे मूर्तिपूजा में चले गए, कैसे उन्होंने परमेश्वर के वचन के विरुद्ध व्यभिचार किया? नहीं, नहीं। वे कभी नहीं बताएंगे, वह अभिमानी राष्ट्र।

54 यह एक मनुष्य की किताब नहीं है। यह परमेश्वर की किताब है। और मनुष्य जो दर्शन को देखता है और परमेश्वर की आवाज़ को सुनता है, (बहुत सी बार) इसे अपने आप से कभी नहीं समझ पाता, बहुत से मामलों में। देखा? मनुष्य ने बाईबल को नहीं लिखा। परमेश्वर ने बाईबल को लिखा। यह ऐसा नहीं है... यह एक मनुष्य की किताब नहीं है। यह तो परमेश्वर की किताब है। यह परमेश्वर के विचार मनुष्य के होठों के द्वारा व्यक्त किए गए हैं। यही है जो इसे बाईबल बनाता है। एक विचार का प्रगट होना एक शब्द है। और आरंभ में परमेश्वर के विचार में, उसने इसे अपने भविष्यवक्ता के होठों के जरिये से व्यक्त किया और अपने दास के द्वारा इसकी पुष्टि की। समझे? ध्यान दें।

55 परमेश्वर पहले से ठहराये जाने के द्वारा अपना खुद का चुनाव करता है, हर युग के लिए भविष्यवक्ताओ को चुनता है। इस पर ध्यान दें। वह भविष्यवक्ता के स्वभाव को उस युग के अनुकुल बनाता है। देखो, वह उसके शैली के अनुकूल बनाता है, जो कुछ भी वह करता है। वह उसे उस परिस्थिति के अनुकूल बनाता है चाहे वह शिक्षित हो या अशिक्षित हो।

जिस ढंग से वह प्रचार करेगा, जो दान उसे प्राप्त होंगे, उसे उसके अनुकूल बनाता है। और उस ठहराए हुए युग का संदेश, परमेश्वर निश्चित बातो को घटित होने के लिए पहले से ठहराता है और कोई दूसरी बात इसका स्थान नहीं ले सकती। चाहे वह कुछ भी हो, कितनी मनुष्य–निर्मित उपलब्धियां है, इसका स्थान कोई नहीं ले सकता। वह मनुष्य को पहले से ठहराता है, हो सकता है एक अनपढ़ मनुष्य हो। हो सकता है उसने उसे किसी दूसरे प्रकार का एक मनुष्य ठहराया हो। वह जो भी है, वो उसे उसकी श्रेणी देता है, उसके—उसके दान, उसे उसका स्वभाव देता है, उसकी शैली, और ये जो कुछ भी है, वह किस तरह से स्वयं को व्यक्त करता है, और जो कुछ भी वह करता है। वह उस समय के मनुष्य को बनाता है ताकि उस समय के लोगो को पकड़े। सही है। वह इसे करता है।

56 प्रत्येक युग के अंत में, जब कलीसिया, संसार और पाप की ओर मुड़ जाती है, और मनुष्य द्वारा वचन के अनुवाद पर निर्भर रहती है। हमेशा की तरह, वे युग के अन्त में हमेशा ही करते है, वे अपने धर्मज्ञानियों और याजको के द्वारा इतनी गड़बड़ी में चले जाते है, यहाँ तक यह हमेशा के लिए गड़बड़ हो जाती है। उनके अनुवाद हमेंशा ही गलत होते है, और एक बार भी ऐसा नही हुआ कि वे गलत ना हुए हो। और एक बार भी परमेश्वर का वचन सही होने में असफल नहीं हुआ। यही भिन्नता है।

57 अब आप देखिए, परमेश्वर ने बाईबल को स्वयं लिखा। अब, परमेश्वर बोल सकता है। मूसा ने कहा कि परमेश्वर ने उससे बात की। यिर्मयाह ने कहा, "उसने मेरे मुंह में वचनों को डाला।" और परमेश्वर लिख सकता है। उसने दस आज्ञाये अपनी खुद की उंगली से लिखी। उसने बाबुल की दीवारों पर लिखा। और, याद रखे, केवल पुराने नियम के अन्दर भविष्यवक्ताओं ने दो हजार बार कहा, "**यहोवा यों कहता है**!" परमेश्वर बोल सकता है, परमेश्वर लिख सकता है। निश्चय ही। मत्ती, मरकुस, लूका, और यूहन्ना लगभग नब्बे प्रतिशत, ये वही स्वयं परमेश्वर के वचन है, जो यीशु मसीह बोल रहा था। इसलिए, यदि परमेश्वर लिख सकता है, यदि परमेश्वर पढ़ सकता है, यदि परमेश्वर बात कर सकता है, क्या वह यह सब दूसरों से वैसा ही नही करवा सकता है? क्या उसने मूसा से नहीं कहा, "किस ने मनुष्य को गूंगा बनाया या किसने उसे बोलने की शक्ति दी? " परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं के द्वारा बाईबल को लिखा, यही उसके करने की विधी है।

58 अब हर बार जब कलीसिया गडबड में पड़ जाती है (और परमेश्वर उन्हें पहले से जानता है, कि वे ऐसा करेंगे, क्योंकि वो सारी बातों को पहले से जानता है), इसलिए उसके पास उसके ठहराये हुए भविष्यवक्ता उस युग के लिए तैयार थे, ताकि उसके चुने हुओं को उसके चिन्हों और आश्चर्यकर्मो के प्रमाणित वचन के द्वारा बुलाये, और उसके वचन की पुष्टि के लिए, "उसके पीछे आते हुए चिन्हों के साथ वचन की पुष्टि करता है," जैसे उसने प्रतिज्ञा की है। वह स्वयं भविष्यव्यक्ता के प्रमाणित होने के बाद सही अनुवाद को देता है।

59 लेकिन वे सब, चुने हुए, जिनके पास उसे भेजा गया, उन्होंने उससे घृणा की। अब, हर घटना की जांच करे और देखे क्या यह सही है कि नहीं। केवल वे ही लोग जिनके पास उसे भेजा गया! "वह अपनों के पास आया, और उसके अपनों ने उसे स्वीकार नहीं किया। लेकिन जितनो ने उसे ग्रहण किया, उनको उसने परमेश्वर के पुत्र होने का अधिकार दिया।" ध्यान दे, नहीं... वचन की हर एक जांच, हर घटना में, और युग के अंत या चरम अवस्था या जंक्शन पर, जैसा कि मैंने बहुत सी बार इस पर प्रचार किया है।

60 नूह के युग की ओर देखे, न्याय से पहले चरम अवस्था में क्या घटित हुआ। क्या हुआ? नूह, यह केवल उसका अपना ही परिवार था जिसने उस व्यक्ति पर विश्वास किया। बाकी लोगों ने उसकी आलोचना की। और समस्त संसार नाश हो गया।

61 अब्राहम के दिनों में, केवल अब्राहम के झुण्ड ने विश्वास किया। जब दूतो ने जाकर सादोम में प्रचार किया, तो केवल लूत और उसकी पत्नी और दो पुत्रियां बाहर आये, और वो पीछे मुडी और नमक का खम्बा बन गई।

62 मूसा के दिनों में, केवल चुने हुए इस्राएली बाहर आए। और फिरौन ने उससे घृणा की।

63 एलिय्याह के दिनों में, हर एक चीज (लगभग) केवल सात हजार मनुष्यों को छोड़, प्रत्येक ने उससे घृणा की, समस्त राष्ट्र ने।

64 यिर्मयाह के दिनों में, क्यों, उन्होंने उस पर कच्चे फल फेंके, और उसे कट्टरपंथी कहा, क्योंकि वह एक करवट बहुत दिनों तक लेटा रहा, और

दूसरी ओर भी, और—और चीजों को लेकर और चिन्ह बनाये। उन्होंने उससे घृणा की।

65 यशायाह भविष्यवक्ता ने, उससे उस जाति को इतना दोषी ठहराया यहां तक कि उन्होंने उसको आरे से काट कर दो टुकड़े कर दिया। सही है।

66 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला। "वह वहां एक जंगली मनुष्य था, कोई चिल्लाने वाला पागल।"

वे सारे लेकिन—लेकिन उन चेले को उसने यीशु मसीह के सामने एक कलीसिया के रूप में पेश किया! यही है ये। यूहन्ना ने लोगों को तैयार किया। उसके पास कितने थे? आप उंगलियों पर गिन सकते हैं... दोनों हाथ की, आपकी उंगलियों पर, जब यीशु आया तो यूहन्ना ने उसके सामने कितने लोगों को प्रस्तुत किया। अब, उसके दूसरे आगमन के विषय में क्या है? इस पर सोचे।

67 लेकिन जब सच्चे बाईबल के विश्वासी वचन को खुले रूप में उस युग के लिए प्रमाणित होते देखते हैं, तो वे विश्वास करते हैं। उन्हें इससे अलग करने का कोई तरीका नहीं है, कि वे विश्वास ना करें। यहां तक कि वे अपनी गवाही को अपने लहू से मोहरबंद करते हैं। वे इसे विश्वास करते हैं। यह तब यह उन पहले से ठहराये हुए लोगो के लिए होता है, जो उस निश्चित युग के लिए है जो इसे देखते और विश्वास करते है।

68 दूसरे लोग बस इसे नहीं देख सकते है; वे अंधे हैं। अब, आप कहते हैं, "वे इसे नहीं देख सकते।" अब, जैसे की बालाम, बालाम क्यों इसे नहीं देख सका? वह एक भविष्यवक्ता था, अभिषिक्त था। क्यों फिरौन इसे नहीं देख सका? जब कि वह परमेश्वर के हाथ को नीचे आते देखा और वहां आश्चर्यकर्म करते हुए देखा, इसने केवल उसके ह्रदय को कठोर कर दिया। क्या यह सही है? दातान स्वयं यहूदी होकर क्यों नहीं इसे देख सका? वह ठीक वहां मृत सागर में से होते हुए निकल कर आया था, और हर एक रात को उसने मन्ना खाया, जो कि ताजा गिरता था, और फिर भी इसे ना देख सका। क्यों कोरह इसे ना देख सका? क्यों, कैफा इसे ना देख सका? वह उस समय पर संसार का धर्म प्रधान व्यक्ति था। क्यों नहीं वह देख सका कि वह मसीहा था? यहूदा क्यों इसे ना देख सका? यहूदा ठीक उनके साथ था, उनके साथ–साथ चल रहा था, उनके साथ आश्चर्यकर्म को कर रहा था। लेकिन वचन को पूरा होना ही था। बाईबल कहती है कि वे अपना

स्थान लेने के लिए पले–बढ़े थे। वे इसी उद्देश्य के लिए पले–बढ़े थे। यह सत्य है। रोमियो 8 यह कहता है।

69 अब विश्वासी लोग देख सकते हैं कि वचन उनकी पीढ़ी में देहधारी हुआ, परमेश्वर बोल रहा है। अब, वे सच्चे विश्वासी लोग, वे सात हजार (या वे सात सौ थे?) एलिय्याह के दिनों में। सात हजार सही है। एलिय्याह के दिनों में, लगभग बीस या तीस लाख में से सात हजार मनुष्य थे, जिन्होंने देखा कि वो सही था। यहाँ तक मुश्किल से लोगों को सौवां भाग भी नहीं। लेकिन उन्होंने देखा कि ये सही था। उन्होंने परमेश्वर को प्रगट होते देखा। वह बूढ़ी विधवा जिसके पास एलीशा को भेजा गया था, वह उन लकड़ियों को लेने गई, ताकि एक रोटी को बनाये, और उसके और उसके बेटे के लिए एक रोटी बनाने के लिए बस पर्याप्त था, और फिर मर जाते। लेकिन एलिय्याह को देखिए, उसने कहा, "पहले मेरे लिए, एक रोटी बना। क्योंकि, **यहोवा यों कहता है,** कुप्पी खाली ना होगी और ना ही तेल खत्म होगा उस दिन तक जब तक प्रभु परमेश्वर धरती पर वर्षा ना भेजता है।" कोई प्रश्न नहीं, उसने रोटी को बनाने के लिए तुरंत ही उठाया और इसे उसे दे दिया। कहा, "पहले मेरे लिए बना, और उसके बाद जाकर अपने लिए और अपने पुत्र के लिए बना।" क्योंकि, उसने उस मनुष्य को सुना, और उसकी ओर देखा; वह पहले से ठहराया हुआ बीज था।

70 उनमें से बहुत से कहते हैं, "देखो वहां वह फिर से बूढा सनकी है। उसके कारण परमेश्वर ने हमें शापित किया है," याद रखे, एलिय्याह। कहा, "तू ही है जो इस्राएल को परेशानी में डाल रहा है।"

71 उसने कहा, "तू ही वो एक है जिसने इस्राएल को परेशानी में डाला है।" देखिए जिसे परमेश्वर... वह किसके वचन को प्रमाणित कर रहा है? अपने ही वचन को।

72 अब बाईबल कहती है वे इसी उद्देश्य के लिए पले–बढ़े थे, लेकिन जब... वे—वे अविश्वासी लोग। लेकिन अब जब सच्चा विश्वासी उस युग में वचन को देहधारी होते देख सकता है, परमेश्वर मनुष्य के मुंह के जरिये से बोलता है और फिर वो ठीक वही करता है जो उसने कहा कि वो करेगा, इससे बात खत्म हो जाती है!

73 अब इसके बाकी लोगों पर ध्यान देना। चिन्हों को ना देखे। यदि आप चिन्हों को देखेंगे, तो आप संसार के समान निश्चित मूर्ख बन जायेंगे। झूठे

भविष्यद्वक्ता उठेंगे और चिन्ह और आश्चर्यकर्म दिखायेंगे यदि हो सके तो चुने हुओ को भरमायेंगे। वचन पर दृष्टि रखे। इन याजको, इन भविष्यव्यक्ताओ, और इब्रानी भविष्यवक्ता की ओर देखे जो वहां खड़े हुए हैं। सिदकिय्याह दो बड़े सींगों के साथ, और कह रहा है, "मैं परमेश्वर द्वारा अभिषिक्त भविष्यवक्ता हूं।" यह सत्य है। "मेरे पास यहां मेरे साथ तीन सौ निन्यानवे लोग हैं, और पवित्र आत्मा हमारे ऊपर है, जो पुष्टी कर रहा है और कह रहा है कि वह देश हमारा है। आओ हम आगे बढ़कर और उसे ले ले। और इन सींगों के द्वारा, आहाब, तू अपने शत्रू को हमारी जमीन पर से बाहर धकेल देगा, क्योंकि यह जमीन परमेश्वर ने हमें दी है।"

74 उस धर्मी मनुष्य, भले मनुष्य, यहोशापात की ओर देखे, कहा, "क्या तुम्हारे पास एक और नही है? "

75 "एक और? चार सौ सहमति में है!" उसने कहा, "हाँ, यहाँ पास में ही एक और है, लेकिन मैं उससे घृणा करता हूँ।" कहा, "वह हमेशा हम लोगो पर जोर से चिल्लाता है और हमें बताता है कि हम कितने बड़े पापी हैं, और बहुत कुछ कहता है।" कहा, "मैं उससे घृणा करता हूँ! वो, वो मिकायाह है, इम्ला का पुत्र।"

76 उसने कहा, "ओह, राजा को ऐसा कहने मत दो। जाकर उसे ले आओ और हम सुनेंगे कि वह क्या कहता है।"

77 इसलिए वे जाकर उसे ले आए। उसने कहा, "मुझे आज की रात देना और मैं देखूंगा कि प्रभु इस विषय में क्या कहता है।"

78 आहाब ने कहा, "मैं तुझ से निवेदन करता हूं कि, मुझे सत्य को छोड़ और कुछ ना बता।"

79 और उस मनुष्य ने आकर, कहा, "अब, यदि तुम अच्छी संगति में आना चाहते हो, तो जैसा बाकी सब कहते है वही कहो।"

मिकायाह ने कहा, "मैं वही कहूंगा जो परमेश्वर कहता है।" समझे?

80 अगली सुबह, वे बाहर आये। और वे राजा अपने वस्त्र धारण करके, फाटक पर बैठ गए, सारे प्रतिष्ठा पाए लोग। भविष्यव्यक्ता वहां पर खड़ा हुआ था। कहा, "अब, कट्टरपंथी, अब तुम इस विषय में क्या कहते हो? "

81 कहा, "जाकर चढ़ाई करो।" कहा, "परन्तु मैंने इस्राएल को ऐसे तितर–बितर देखा, जिसका कोई चरवाहा ना हो।"

82 उसने थ–... उसका हाथ पकड़ कर और उसके मुंह पर थप्पड़ मारा। भविष्यव्यक्ता ने भविष्यव्यक्ता को मुंह में थप्पड़ मारा। अब, उन भविष्यव्यक्ताओं ने वहां खड़े होकर, भविष्यवाणी की, वे चार सौ उस एक के विरुद्ध, यह काफी मजबूत सा दिखाई दिया। अब, भीड़ के परामर्श में हमेशा सुरक्षा नहीं होती। इस बात पर निर्भर करता है कि वे कहां पर... वे किस विषय में परामर्श कर रहे हैं, उनकी सलाह क्या है। वहां राजा के लिए कोई सुरक्षा नहीं थी, और उसने सही होने के लिए भीड़ की सलाह ली। लेकिन यदि वह थोड़ा सा रुक कर और मुड़कर लिपटी हुई पुस्तक को देखता कि एलिय्याह ने हाल ही में क्या कहा!

83 तब, मिकायाह कुछ नहीं कह सका, वह नहीं जानता था, जब कि हो सकता है कि परमेश्वर ने इसके लिए उसे क्षमा कर दिया हो। लेकिन पहले, एक भविष्यव्यक्ता होने पर, वह परमेश्वर के पास गया ताकि पता करे कि परमेश्वर ने क्या कहा है। और उसने पता लगाया कि परमेश्वर ने क्या कहा है। उसने कहा, "मैंने परमेश्वर को सिंहासन पर बैठे हुए देखा, और उसने कहा... स्वर्ग के सारे सलाहकार उसके आसपास जमा हुए, कहा, 'हम में से कौन नीचे जाकर और आहाब को यहाँ लाने का कारण बना सकता है, जिससे हम उस भविष्यवाणी को पूरा कर सकते हैं जो उसके विषय में की गई है? '"

84 भविष्यवाणी को देखिए, एलिय्याह पहले ही बोल चूका था, "कुत्ते तेरा लहू चाटेंगे।"

85 और इसलिए उसने कहा उसने "एक झूठी आत्मा को नीचे की ओर से ऊपर आते देखा, ऊपर आकर, उसके सामने आयी, कहा, 'मैं नीचे जाऊंगी और उसके भविष्यवक्ताओं के भीतर समा जाऊंगी, आहाब के भविष्यवक्ताओं में, और उनसे झूठ की भविष्यवाणी करवाऊंगी।'"

86 अब, परमेश्वर जानता था कि वे मनुष्य बहुत ही फूल गए है और धर्मज्ञान से इतने भर गए है कि उन्होंने सोचा उनके पास सारी चीजे सही है। उन्होंने उस घड़ी के सन्देश पर कभी भी ध्यान नहीं दिया। इसलिए परमेश्वर ने कहा, "तू सफल हो जाओगी; नीचे जाओ।" और जब मिकायाह ने कहा कि इसने उस दुष्ट आत्मा की अधीनता में उन्हें भविष्यवाणी करने को लगाया। उन्होंने टेलीफोन का तार खींच कर निकाल दिया, या रेडियो को बंद कर दिया, या कुछ भी किया होगा; जब उन्होंने सुना कि यह उनके

विरोध में आ रहा है, उठकर और बाहर चले गए। लेकिन देखिए क्या घटित हुआ। अब, मिकायाह को अपना दर्शन लिखित वचन के साथ जांचना था, इसलिए वह जानता था।

87 उसने कहा, "जब मैं आता हूं... इस व्यक्ति को जेल में डाल दो, उसे दुःख का पानी और दुःख की रोटी दो। जब मैं वापस आऊंगा, तब मैं उसे देख लुंगा।"

88 उसने कहा, "यदि तुम किसी भी हालत में वापस आ गए, तो समझो परमेश्वर ने मुझसे बात नहीं की।" यही है जब वह जानता था कि उसका दर्शन ठीक उस घड़ी के वचन के अनुसार है। यह आहाब का समय है।

89 भाईयो, बहनों, यह बाबुल से बाहर बुलाये जाने की घड़ी और समय है। सांझ के उजियाले यहां पर है। जब कि ये उजियाला है, तो उजियाले में चलो। ध्यान दें, विश्वासियों ने वचन को प्रगट होते देखा और इसका विश्वास किया। यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ मेरी आवाज को जानती है, मेरे वचन को, इस युग के मेरे चिन्हो को। वे एक झूठे के पीछे नहीं जायेंगे।"

90 अब आईये हम अपने विषय को ले, क्योंकि मैं देखता हूं कि मैं दूर हट रहा हूं। मैं उस प्रार्थना पंक्ति पर अधिक जोर देना चाहता हूं। आइये हम अपने विषय पर वापस चले, जिसे हमने विचार के लिए लिया है, अब यहाँ एक मिनट। अच्छा, यह फिर से होगा जैसा कि यह हमेशा से होता रहा है।

91 परमेश्वर ने अपने भविष्यव्यक्ता यूहन्ना को भेजा, जैसा कि उसके वचन ने कहा था, मलाकी 3 में प्रतिज्ञा की थी, "देखो, मैं अपने दूत को अपने आगे–आगे भेजता हूं, कि मार्ग को तैयार करे।" यूहन्ना ने उसी चीज की गवाही दी। और हम यशायाह 40:3 में भी यही पाते हैं, जो यशायाह ने कहा, "वहां भविष्यव्यक्ता की एक आवाज होगी, जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द होगा कि, 'प्रभु का मार्ग तैयार करो।'" समझे? वे सारी भविष्यवाणियां! और—और देखो, जल्दी से ध्यान देना, वचन ने उसकी पहचान दी।

जब उन्होंने कहा कि, "तू कौन है? क्या तू मसीहा हैं? "

उसने कहा, "मैं नहीं हूं।"

"क्या तू यिर्मयाह है? भविष्यवक्ता, या उनमें से एक? "

92 उसने कहा, "मैं वो नहीं हूं। लेकिन मैं जंगल में पुकारने वाली एक आवाज़ हूं, जैसा कि भविष्यव्यक्ता यशायाह ने कहा।"

93 आप सोचते हैं कि वे इसका विश्वास करेंगे? नहीं, श्रीमान। क्यों? क्योंकि वह उनकी कलीसिया में से होते हुए नहीं आया। वह उनमें का नहीं था... देखिए, वह नौ वर्ष की आयू में जंगल को चला गया था, और तीस वर्ष का होकर बाहर आया। उसका संदेश बहुत महान था कि वो धर्म विद्यालय में से होकर नही आ सकता था; वही वो एक था जिसे उस—उस मसीहा का परिचय करवाना था। और हर कोई उसे *इस* ओर और *उस* ओर खींच रहा था। और उसके पिता जकर्याह की मृत्यु के पश्चात, परमेश्वर ने उसे जंगल में भेज दिया। और वो एक याजक था, लेकिन उसने अपने पिता की परंपरा का अनुसरण नहीं किया।

94 क्योंकि, भविष्यवक्ता इस प्रकार की चीजों में से निकल कर नहीं आते। वे कठिनाईयो के देश, जंगल में से निकल कर आते है। कोई भी मनुष्य नहीं जानता कि वे कहां से आते हैं, या वे दृश्य पर कैसे उठते हैं, या उनका कोई भी इतिहास। वे बस सामने आकर और वचन को प्रचार करते हैं, और परमेश्वर उन्हें ले लाता है, और वे दूर चले जाते हैं; उस पीढ़ी को दोषी ठहराते है, और उसके वचन में आगे बढ़ते जाते है, और उस महान दिन की प्रतीक्षा करते है।

95 कलीसिया ने उस पर विश्वास नही किया, क्योंकि वे लोग उसके विषय में नहीं जानते थे। उनके पास उसके नियुक्त किये जाने का उनकी पुस्तकों में कोई लेख नहीं था, इसलिए उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया। देखिए, उन्होंने परमेश्वर के प्रमाणित वचन का विश्वास नहीं किया, जो शब्द दर शब्द स्पष्ट था। समझे? मलाकी 3, दो वचन उसे प्रमाणित करते है, मलाकी 3 और यशायाह 40:3। देखो, उन दोनों वचनों ने एक मनुष्य के आने के विषय में बोला, जो प्रभु के मार्ग को तैयार कर रहा था। उसने इसके हर विशिष्ट विवरण को पूरा किया।

96 उसे एक भविष्यव्यक्ता होना था। "मैं तुम्हारे पास एलीशा को भेजुंगा।" और वहां पर वो था, हर प्रकार की कठोरता में। ध्यान दे उसका स्वभाव किस प्रकार से एलिय्याह से मिलता जुलता था। एलिय्याह जंगल में रहने वाला एक मनुष्य था, ऐसा ही यूहन्ना था; बाहर ही रहा। वह एक कोमल मनुष्य नहीं था, वो एक सख्त स्वभाव का मनुष्य था।

97 फिर से ध्यान देना, एलिय्याह स्त्रियों से घृणा करने वाला था, उसने ईज़ेबेल को उसके श्रृंगार आदि के विषय में बताया, और बताया कि कहाँ सही है और कहाँ गलत। ऐसे ही यूहन्ना था। ईज़ेबेल ने एलिय्याह को मारने की कोशिश की, उसने अपने देवताओं की शपथ खाई कि वह उसके सिर को अलग कर देगी। ऐसा ही हिरोदिया ने किया। देखा?

98 हमेशा ही उनके संदेश पर ध्यान दें, ध्यान दें कि उन्होंने क्या किया। अब हम पाते हैं कि यदि उन्होंने पीछे मुड़कर देखा होता और देखा होता कि बाईबल ने क्या कहा, और उस व्यक्ति के स्वभाव पर ध्यान दिया होता और वह उस समय के वचनों और हर एक बातों के साथ कितना सिद्ध था, तो वे जान जाते कि यह वही था। लगभग आधा दर्जन लोग ही इसे जान पाए। यह सही है। आधा दर्जन से अधिक लोग इसे एहसास ही नहीं कर पाए। वे उसे सुनने के लिए गए, लेकिन उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया। समझे? क्यों? उन्होंने उनके समय में भविष्यवाणी के प्रमाणित होने का विश्वास नहीं किया।

99 ध्यान दें, वे उस पर हंसे, उसे ऐसा ही कुछ तो कहा "चिल्लाने वाला, जंगली, अनपढ़ कट्टरपंथी जो स्कूल नहीं गया, 'मारना, नहीं है, ले जाना, लाना, बुलाकर लाना,' और इत्यादि अशिक्षित भाषा।" जैसे अक्सर होता है उन्होंने उसकी शिक्षा के आधार पर उसका न्याय किया। उन्होंने उसे उसकी भाषा के व्याकरण से जाँच लिया, जिस प्रकार से उसने कपड़े पहने थे। वो भेड़ की खाल लपेटे हुआ था, ऊंट की खाल का पटुका पहने, और उसके सारे शरीर पर बाल थे। पानी में चलकर बाहर आता है; कोई कलीसिया नही, कोई प्रचार मंच नहीं, कोई सहयोग नहीं; वे इसे स्वीकार नहीं कर सके; वे संसार के ईश्वर की आराधना कर रहे थे। समझे?

100 मेरे कहने का अर्थ यह नहीं है कि अब वहां झूठे भविष्यव्यक्ता नहीं आये, जैसे यम्ब्रेस और यन्नेस। लेकिन जिस प्रकार आप करना चाहते हैं, कि वचन के द्वारा मूल सन्देश को जांचे, तब आप इसे समझ जायेंगे; कि यह कौन से युग में है, और उस युग के लिए कौन सी भविष्यवाणी है।

101 यूहन्ना की भविष्यवाणी परमेश्वर के अपने ही क्रम में प्रमाणित हुई थी। देखो कितनी सिद्ध। बाईबल ने कहा, "प्रभु का वचन भविष्यव्यक्ता के पास आता है।" और यीशु वचन था। और यूहन्ना वचन के आने की भविष्यवाणी कर रहा था उसके पूरा होने के लिए; और यीशु, वचन, पानी में भविष्यवक्ता

के पास आया। ओह, कितना सुंदर! ये कितना अचूक है... देखा? उस दिनो में वचन एक असाधारण बात थी। यहां भविष्यवक्ता यह कहता हुआ आ रहा है, "मैं वचन की आवाज हूं।"

उन्होंने कहा, "हमें क्या करना चाहिए? "

102 कहा, "मैं उसके जूतों को खोलने के योग्य नहीं हूं। लेकिन तुम्हारे मध्य में एक खड़ा हुआ है, यहीं कहीं पर, वही वो एक है जो तुम्हे पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका सूपा उसके हाथ में है, और अपने खलियान को अच्छी तरह साफ करेगा, और भूसी को ना बुझने वाली आग में जलायेगा, और दाने को खत्ते में ले जायेगा।" ओह, क्या ही भविष्यव्यक्ता है! यीशु ने कहा कि आज के दिन तक स्त्री से कोई इतना महान पुरुष नहीं जन्मा, जैसा वो है। ओह, कितना गरजने वाला! वह कैसे जानता था कि वो कहां पर खड़ा है! वह ठीक–ठीक जानता था। उसने परमेश्वर से सुना, और यह बिल्कुल ठीक वचन के साथ था, इसलिए उसने चिन्ता नहीं की कि लोगों ने क्या कहा। उसने इसे प्रचार किया और जो कुछ भी हो इसकी भविष्यवाणी की। और ध्यान दें, जब एक मनुष्य उसके लिए खड़ा होता है जो सत्य है, तब परमेश्वर इस बात के लिए बाध्य है कि परमेश्वर उस व्यक्ति को सच्चा प्रमाणित करे।

103 जब मूसा वहां मिस्र में आया, और उसने कहा, "मैं वहां उस ओर जंगल में था, और एक झाड़ी को जलते देखा, और वह भस्म नहीं हुई। मैं उस झाड़ी के पास गया, और, जब मैं वहां पहुंचा, तो वहां एक बड़ा अग्नि स्तंभ मंडरा रहा था। और एक आवाज ने कहा, '**मैं जो हूं सो हूं**।' और उसने मुझसे कहा कि इस छड़ी को ले और यहां पर आकर और इन अद्भुतकार्यों को कर, और परमेश्वर अपने वचन को प्रमाणित करेगा।" अपनी छड़ी को बाहर निकाला, और वहां पिस्सू, और मक्खियां आ गये और अंधकार और इत्यादि बातें। और तब उस भविष्यव्यक्ता को प्रमाणित करने के लिए, वह उन विश्वासियों को ठीक वहां पहाड़ की ओर वापस ले आया, और परमेश्वर उसी अग्नि के स्तंभ में नीचे उतरा, ठीक उसी पर्वत पर, और साबित किया कि यह सही था।

अब देखो कि वह इन दिनों में क्या कर रहा है। ठीक वही।

104 अब, वचन भविष्यव्यक्ता के पास आया और उसे सच्चा व्यक्ति प्रमाणित किया, वही व्यक्ति जो वचन ने कहा कि वो वहां होगा। अब जल्दी से। लेकिन,

फिर से, यीशु भिन्न रूप में आया, जो मनुष्य द्वारा दिए गए भविष्यवाणी के अनुवाद से भिन्न था। मनुष्य के पास अनुवाद था कि ये क्या होगा। निश्चित ही। प्रेस्बिटेरियन सोचते हैं कि यह उनके लिए होना चाहिए। ध्यान दें, जब परमेश्वर कुछ भी करता है, ध्यान दे हर दूसरा संगठन एक के साथ उठ खड़ा होता है। जी हाँ, हमेशा से ऐसा ही रहा है। उनके पास हर कहीं यम्ब्रेस और यन्नेस है। ध्यान दें, उन्होंने वचन का भाग कहा। लेकिन, भविष्यव्यक्ता के वचन के अनुसार, हर एक अक्षर!

105 हमेशा की तरह, वे फिर से इससे चूक गए, और उसे ज्योतिविद्या बताने वाला कहा, "एक शैतान; बालजबूल," और कहा यह स्वयं को परमेश्वर बनाता है, जब कि उन्हें उनकी उसी बाईबल के अनुसार समझ जाना चाहिए था, कि वो परमेश्वर था।

ध्यान दें, उसकी भविष्यवाणी यशायाह 9:6 के द्वारा हुई थी, कहा, "उसका नाम पराक्रमी परमेश्वर, सनातन का पिता कहकर बुलाया जायेगा।" उसके बाद अब और कोई पिता ना होगा, क्योंकि आरंभ में वो पहला पिता था, केवल वही पिता है; उसने कहा, "तुम इस धरती पर किसी मनुष्य को 'पिता' ना कहना, ना ही इसके बाद।" "वही वो—वो पराक्रमी परमेश्वर है, और सनातन का पिता, युक्ती करने वाला, शांति का राजकुमार।" निश्चय ही।

106 अब, उन्होंने उसके साथ वही किया जो सब भविष्यव्यक्ताओं ने बताया था कि वे ऐसा करेंगे, ठीक जैसा कि वे इस लौदिकिया युग में कर रहे हैं, उसे कलीसिया से बाहर कर दिया। "अंधे है, नंगे है, और यह नहीं जानते।" ठीक जो भविष्यव्यक्ता ने कहा, बाईबल के भविष्यवक्ता ने। मनुष्यो के रीति–रिवाजों के द्वारा अंधे किए गए, उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया, वचन को अपनी कलीसियाओं से बाहर किया, हमेशा की तरह, जैसी उनके लिए भविष्यवाणी की गयी है।

107 अब ध्यान दे, अब जल्दी से। अब इससे चूकना मत। यहाँ विषय है, कैसे यीशु ने स्वयं को उन दो चेलों पर प्रगट किया कि वह उनका मसीहा है! अब, सारी आंखें इस ओर थी। और वहां उस देश में, अब यहां इसे चूकना मत। हमने आपको बताने का कोशिश की है कि बाईबल परमेश्वर का वचन है, जो स्वयं परमेश्वर के द्वारा लिखा गया है, उन मनुष्य के होठों और साधनों के जरिये से। परमेश्वर स्वयं लिख सकता है। परमेश्वर स्वयं

बोल सकता है। परमेश्वर जो चाहे वो कर सकता है, लेकिन उसने इसे करने के लिए मनुष्य को चुना क्योंकि मनुष्य जिसने इसे लिखा है, वह परमेश्वर का भाग है। इसलिए, परमेश्वर ने बाईबल को लिखा। यहां तक कि मनुष्य अपने खुद के विचारो में नहीं जानते थे कि वे क्या लिख रहे है। वे इससे असहमत हो सकते थे, लेकिन उन्होंने इसे लिखा। वे नहीं कर सके। बाईबल ने कहा, "पुराने समय के मनुष्य, जैसे पवित्र आत्मा के द्वारा चलाये चले!" परमेश्वर ने उनके हाथों को चलाया, दर्शनों में उनकी आंखे चलाई। वे और कुछ नहीं कह सकते थे सिवाये उसके जो वे देख रहे थे। वे कुछ भी नहीं बोल सकते थे, क्योंकि उसका उस जुबान पर, उंगलियों पर पूरा नियंत्रण था, हर एक देह का अंग परमेश्वर के पूरी तरह से अधीनता में था। कोई आश्चर्य नहीं बाईबल ने कहा वे ईश्वर थे, वे परमेश्वर का भाग थे! वो परमेश्वर की परिपूर्णता था।

108 ध्यान दें किस प्रकार यीशु, उस वचन ने इन टूटे ह्रदय वाले दो चेलों पर प्रगट किया कि वह उनका मसीहा है, मसीहा, प्रतिज्ञा किया हुआ वचन। ध्यान दें, उसने क्या किया, उसने भविष्यवाणी की ओर संकेत किया। ध्यान दें, "मूर्खों, भविष्यवक्ताओं के लेखो पर विश्वास करने में मंदमतियो।" अब, उसने कभी नहीं कहा, "अच्छा, क्या, इस विषय में कलीसिया क्या कहती है? "

109 उन्होंने उसे कहानी सुनाई। सारी घटनायें जो घटी थी वे जानते थे। वे बहुत उदास थे। उन्होंने उसे बताना आरंभ किया, "क्या तू यहाँ अभी–अभी परदेसी आया है, या तू नहीं जानता कि यरूशलेम में क्या घटित हुआ? "

110 उसने कहा, "कौन सी बातें? " जैसे कि वो नहीं जानता। देखो, कभी–कभी वह ऐसे काम करता है यह देखने के लिए कि आप इस विषय में क्या करेंगे। समझे? कहा, "कौन सी बातें? यह कौन था? क्या घटित हुआ? "

111 "क्या तू यहां अभी एक परदेसी आया है? " और वे उसी मनुष्य से बात कर रहे थे जिसके साथ वे साढ़े तीन वर्षों से रह रहे थे, और उसे नहीं जान पाए।

"कौन सी बातें? क्या हुआ? "

112 "तो ठीक है," उन्होंने कहा, "नासरत का यीशु, जो कि एक भविष्यव्यक्ता था। हमारे मन में कोई संदेह नहीं है। वह सभी लोगों के सामने

वचन और कार्य में सामर्थी था। हमने उसे उन चीजों को करते हुए देखा है कि वह इस युग के लिए परमेश्वर के भविष्यव्यक्ता के रूप में पहचाना गया था। हम यह जानते हैं। और हमने विश्वास किया कि वह छुड़ाने वाला होगा, कि वह इस्राएल को छुड़ाएगा।"

113 तब वह मुड़ता है और कहता है, "तुम मूर्खो, तुम मंदबुद्धियों कि इसे विश्वास करे जो कुछ भविष्यवक्ताओं ने उसके विषय में कहा क्या वह पूरा नहीं होगा? " देखा? भविष्यवाणी पर वापस जाकर उस पर अब ध्यान दे। विश्वासियों के लिए क्या ही फटकार है, दावा किया कि उन्होंने उस पर विश्वास किया!

114 ध्यान दें कि वो किस तरह से विषय तक पहुंचा। उसने कभी भी सीधे–सीधे आकर और यह नहीं कहा, "मैं तुम्हारा मसीहा हूं।" वह ऐसा कर सकता था, क्योंकि वो था। लेकिन ध्यान दें उसने स्वयं की वचन में पहचान दी, तब वे जान जाते है। यदि उसने यह कहा होता, तो वह ऐसा कह सकता था और यह ऐसा नहीं होता; लेकिन जब वो गया और सारे भविष्यवक्ताओं पर बोलना आरंभ किया जो उसके विषय में कहा था, और उन्होंने इसे देखा, तब वे अपने आप में यह बता सकते थे, यदि वे परमेश्वर की संतान थे। लेकिन भविष्यवक्ताओं ने जो पहले से बताया उनके ध्यान को उस ओर ले गया और कहा कि उस समय की ओर देखने के लिए कहा जब मसीहा, उसका युग, प्रगट होगा। वो, यूहन्ना की नाई, वो वचन, बाईबल, उनके संदेश की पहचान दे। कोई भी सच्चा भविष्यव्यक्ता यही करेगा। जी हां। बाहर सामने आकर और नही कहा, "मैं वही हूं। मैं हूं... " यह परमेश्वर का एक सच्चा भविष्यव्यक्ता नहीं है। देखा? लेकिन उसने कहा, "वचनो में वापस जाओ।" देखा, वह अपने कार्य करने के तरीके में कभी असफल नहीं होता है। समझे?

उसने कहा, "हम मूसा को जानते हैं।"

115 उसने कहा, "यदि तुम मूसा को जानते, तो तुम मुझे भी जानते।" उसने कहा, "मूसा ने मेरे विषय में लिखा है।" कहा, "वचनों में ढूंढो, उसमें तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास अनन्त जीवन है, और वो वचन जो मेरी गवाही देता है। जाकर और जाकर वचन में ढूंढो और इसे देखो।"

116 यहाँ वो अपने कार्य करने के तरीके को कभी नहीं बदलता है, ना ही कभी बदला है। वह कभी नहीं बदल सकता है, क्योंकि वह ना बदलने वाला

परमेश्वर है। समझे? ध्यान दें, वह सीधा इन दो चेलो के पास वापस गया, क्लीयोपास और उसका मित्र, इम्माऊस के रास्ते पर, और कहा, वचनों की ओर उनसे संकेत किया, कहा, "तुम इतने मूर्ख क्यों हो कि विश्वास नहीं करते कि हर एक वचन जो भविष्यवक्ताओं ने लिखा है मसीह के विषय में लिखा उसे पूरा ही होना है? " ओह, क्या ही दिन है!

117 यूहन्ना ने भी उसी चीज को किया। "वचनों में ढूंढो, पीछे की ओर देखो, कहा वहां 'जंगल में एक पुकारने वाले की आवाज़ हो रही है।' मैं कहां से आया? " समझे? यही है, जिसे उन पर इसे स्पष्ट कर देना चाहिए। सही है!

118 आज इसे स्पष्ट होना चाहिए, वह बातें जो हम देखते है, जो पवित्र आत्मा कर रहा हैं। उसने एक बार कहा, "वचनों में ढूंढो।" और हम... वह आज हम से इसे करवाना चाहता है।

119 ध्यान दें, बाईबल ने कहा, उसने मूसा की भविष्यवाणी से आरंभ किया, "उसने, मूसा से आरम्भ किया और सारे भविष्यद्वक्ताओं को लिया, " लेकिन उसने मूसा से आरंभ किया। "एक भविष्यव्यक्ता, " मूसा ने कहा, "तुम्हारा प्रभु परमेश्वर तुम लोगों के बीच में खड़ा करेगा, लोगों के बीच में। प्रभु परमेश्वर भविष्यव्यक्ता को उठा कर खड़ा करेगा।"

120 अब वो यह कह सकता था, "क्लियोपास, और तुम्हारा मित्र जो यहां है, क्या मूसा ने नहीं कहा कि इन दिनों में प्रभु परमेश्वर एक भविष्यव्यक्ता को उठा कर खड़ा करेगा? और यह मनुष्य जिसे उन्होंने क्रूस पर चढ़ाया, क्या उसने उस योग्यता से पूरा किया? अब, मूसा ने यह भविष्यवाणी की। और अब तुम्हारे पास सैकड़ों और सैकड़ों वर्षों से भविष्यवक्ता नहीं है, और यहाँ यह मनुष्य उठा। और इस मनुष्य का अग्रदूत कौन था, तुमने क्या कहा? " इसे समझे? और सारे भविष्यद्वक्ताओं ने उसके विषय में कहा, उसके युग के विषय में, उसने उन्हें बताया। निश्चय ही उससे सुनने के लिए उनकी बहुत ही रुची रही होगी। क्या आप उसे सुनना पसंद नहीं करेंगे? मैं उसे सुनना चाहूंगा, कि उससे सुनूं, जो उसने कहा वही भविष्यवक्ताओं ने उसी के विषय में कहा, लेकिन उसने यह कभी नहीं कहा कि वह वही था। उसने उन्हें केवल भविष्यवाणी के द्वारा दिखाया। उसने केवल कहा कि, "भविष्यवक्ता ने कहा है कि यह घटित होगा।" समझे?

121 आइए बस कुछ मिनटों के लिए हम थोड़ा पीछे जाए, और अब आइए

हम उन वचनों को सुनें जो उसने अपने खुद के लिए उल्लेख किये। यहां ध्यान देना, वचन स्वयं अपना खुद का उल्लेख कर रहा है। वचन स्वयं का खुद ही उल्लेख कर रहा है। उन्हें नहीं बताता है कि वह वही था, लेकिन वचन बस स्वयं के विषय में बोलता है, तब वे जान जाते है कि वह कौन था। वचन का अक्षर, वचन का उल्लेख कर रहा है... वचन देह में, अक्षर के वचन का उल्लेख कर रहा है, पूरी तरह से खुद के साथ पहचान को देता है। इधर देखिए, अब आइये हम उसे उल्लेख करते हुए सुनें। कैसे... अब, हम जानते हैं कि उन्हें हाल की घटनाओं के बारे में बता दिया गया था, जो कि उस क्रूस पर चढ़ाये जाने की घटना थी और पुनरुत्थान की कहानी, कब्र की बात, जैसा कि हमने अभी पढ़ा। अब वो अपने आप के विषय में भविष्यवाणी के वचन में सीधा चला गया। अब आइये हम थोड़ा सोचें कि उसने यह कहा; उसने इससे कुछ और अधिक कहा, लेकिन ध्यान दे।

122 आइए हम कहे उसे... उसे कहते हुए सुने, "जकर्याह 11:12 को निकाले। और क्या भविष्यव्यक्ता के अनुसार मसीहा को बेचा नहीं जाना था, चांदी के तीस सिक्कों के लिए? तुमने अभी कहा कि यह मनुष्य चांदी के तीस सिक्कों में बेचा गया था। उसमें जायेंगे... " आप इन वचनो को लिख रहे हैं? जकर्याह 11:12। और तब उसने कहा, "क्या तुमने ध्यान दिया कि दाऊद ने भजन संहिता में क्या कहा, भजन संहिता 41:9? उसे अपने मित्रों के द्वारा धोखा दिया जाना था। और फिर से, जकर्याह 13:7 में, वह अपने चेलो के द्वारा छोड़ दिया गया था। और भजन संहिता 35:11 में, झूठे गवाहों के द्वारा दोषी ठहराया गया। तुमने अभी कहा वो ठहराया गया था। यशायाह 53:7, वह अपने दोष लगाने वालों के सामने चुप रहा। यशायाह 50:6, भविष्यव्यक्ता ने कहा उन्होंने उसको कोड़े मारे। भजन संहिता 22, उसे क्रूस पर चिल्लाना था, 'हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?' क्या उसने बीते परसों दोपहर को ऐसा ही किया? भजन संहिता 22 फिर से, 18, उसके कपड़े उन्होंने आपस में बांट लिए। क्या उन्होंने ऐसा किया? और भजन संहिता 22:7 से 8, उसके बैरियों के द्वारा उसका ठठ्ठा उड़ाया गया, कलीसिया के द्वारा। फिर से भजन संहिता 22, उसके शरीर की एक भी हड्डी नही तोड़ी जानी थी, लेकिन 'उन्होंने मेरे हाथों और मेरे पैरों को छेद दिये,'" उसने कहा। उसके हाथों को पीछे बांधे हुए था, उस समय पर, कोई संदेह नहीं। "यशायाह 53:12 ने कहा कि वह अपराधियों के मध्य में मारा जायेगा। यशायाह 53:9 ने

कहा कि वह धनवान के संग गाड़ा गया। भजन संहिता 16:10 ने कहा, 'मैं उसके प्राणो को अधोलोक में ना छोडुंगा, और ना ही मैं अपने पवित्र जन को सड़ने दुंगा।' और क्या इस मनुष्य के आगे–आगे चलने वाला मलाकी 3 नहीं था? " ओह, मैं उसे इसका उल्लेख देते हुए सुनना चाहता हूं। भविष्यवाणियों की ओर देखो! ध्यान दें, तब उन सारे प्रतिछायाओं में से होकर निकला होगा, इसहाक के विषय में, उत्पत्ति 22 में, कैसे परमेश्वर ने इसहाक को प्रतिछाया में दिखाया, कैसे पिता अब्राहम ने अपना पुत्र लिया, लकड़ी को लेकर पहाड़ पर गया, और अपने ही पुत्र को बली चढ़ाने के लिए ऊपर ले गया।

123 अब यह बातें उनके ह्रदय में जाना आरम्भ हो रही थी। उसने उन्हें बताया था कि वे उस दिन की भविष्यवाणी को देखने में मंदबुद्धि थे। और अब यह बातें उनके ह्रदय में जाना आरम्भ हो गयी, और इन सब बातों को पूरा होते देखने लगे, वे बातें जो अन्तिम कुछ दिनों में जगह ली थी, अन्तिम दो या तीन वर्षों में, उस युग की भविष्यवाणी प्रमाणित हुई। तब वे क्रूस पर चढ़ाए गए उनके मित्र, यीशु को जान गए, जिसने इसके हर एक वचन को पूरा किया था। ओह, तब वे जान गए कि वो मनुष्य सच में वही मसीहा था, जिसे—जिसे मरे हुओ में से जी उठना था। "कब्र उसे रोक नहीं सकी। 'मैं अपने पवित्र जन को सड़ने ना दूंगा।' भविष्यवाणी का एक भी वचन कभी असफल नहीं हो सकता। और वह जी उठा।"

124 "तो फिर वे सन्देशवाहक जो आज सुबह वहां कब्र पर थे वे सही थे। वह मरे हुओं में से जी उठा है। वो जीवित है। वह वही मसीहा है।" क्यों? इसे चूकना मत। "उसका व्यवहार, उसकी सेवकाई और हर चीज जो उसने की है वो प्रमाणित हो चूका है बिल्कुल ठीक वे वचन जो भविष्यवक्ता ने कहे इस दिन के लिए जगह लेंगे। इसने इसे किया है।" तब वे यह जान गए कि यह वही था, उनका क्रूस पर चढ़ाया गया मित्र, यीशु, जिसने यह किया है। कोई आश्चर्य नहीं कि उनके ह्रदय उनके भीतर जल उठे थे जब उसने उनसे बात की। अब वे छह मील चल चूके थे, और ऐसा प्रतीत हुआ जैसे ये थोड़ा ही समय हुआ है।

125 और यहाँ इन्होंने एक और चीज की थी, आप जानते हैं, उन्होंने भविष्यवाणी के प्रमाणित होने पर छह घंटे का उपदेश सुना था। यही है जो उसने उनसे मार्ग में बात की। जैसे ही उन्होंने मार्ग पर चलना आरंभ

किया, उसने बाहर कदम रखा, क्योंकि वो ठीक वहीं यरूशलेम में था। छह घंटो के–... पश्चात, साठ फर्लांग, वे ठीक इम्माऊस के लिए छह मील की दूरी के रास्ते पर थे। यही तो है यह। और उसने प्रचार किया था, छह घंटो में भविष्यवाणी की पुष्टि की थी। तब मेरे तीन घंटे पर मुझे दोषी ना ठहराये, देखिये। समझे? लेकिन ध्यान दें, उन्होंने प्रचार किया था... उसने... उन्होंने भविष्यवाणी पर छह घंटो के उपदेश की पुष्टि होते हुए, प्रमाणित होते हुए सुना।

126 अब यह सांझ का समय होता जा रहा था। आप जानते हैं, कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। यह तब हुआ था कि उसने उनकी आंखें खोली यह जानने के लिए कि इब्रानियों 13:8, वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। सांझ के समय, घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट हुई। इस आधुनिक घड़ी में क्या बात जगह ले रही है जिसे आसानी से पहचाना जा सकता है यदि आप केवल समय की भविष्यवाणी का विश्वास करे।

127 "हां, मूर्खों, समझने में मंदमतियों, विश्वास करने में मंद (आप इस पर विचार करते रहे), यह विश्वास करने के लिए कि सारे भविष्यवक्ताओं ने मसीहा के विषय में जो कहा, क्या उसे घटित नहीं होना है? " अब उसने इन सारी बातों को पीछे से जांच लिया और दर्शाया की भविष्यवक्ता ने जो कहा यह घटित होगा। तब उन्होंने समझना आरंभ किया। इसलिए उसने कहा... वो ऐसा दिखा रहा था जैसे उसे आगे जाना है। उन्होंने इस मनुष्य को पसंद किया। उन्होंने कहा, "तू, तूने हमें कुछ तो दिया है। हमने ऐसा कभी नहीं सोचा। वह कहीं पर तो जीवित है।" वे उससे बात कर रहे थे, और इसे नहीं जानते थे। इसलिए वह... और कोई संदेह नहीं कि उसने उन्हें उदास होकर देखा, और उसने आगे बढ़ना आरंभ किया, परन्तु वह—वह उनके लिए प्रतीक्षा कर रहा था कि वे उसे आमंत्रित करे। यही है जो वह आज रात प्रतीक्षा कर रहा है, कि आप उसे आमंत्रित करे।

128 ध्यान दें, जब उन चेलों ने उसे मेज के चारों ओर उनकी संगति में आमंत्रित किया, यह तब था कि उसने कुछ तो उस प्रकार किया जो उसने उसके क्रूस पर चढ़ने से पहले किया था, और उनकी आंखें खुल गई। वे उसके व्यवहार को, और शैली को जानते थे। वे जान गए कि उसने क्या किया है, और उसने वैसे ही किया जैसे उसने पहले किया था। और उन्होंने

कहा, "यह तो वही है!" और जल्दी से वे इस बात को चिल्लाने के लिए उठ खड़े हुए, और वो ओझल हो गया। और जहां उन्होंने इस उपदेश को सुनने के लिए छह घंटे लिए थे, हो सकता है करीब बीस मिनट में ही फुर्ती से वापस जाकर वे बाकी के उन सभी को बताने लगे, "वह सचमुच जी उठा है। वह वास्तव में जीवित है।"

129 मित्रों, यह मलाकी 4, संत लूका 17, संत यूहन्ना 15 का पूरा होना है, ओह, बहुत से है, प्रकाशितवाक्य 10, और बहुत सारी भविष्यवाणियों का पूरा होना है जो कि ठीक इस दिन के लिए उन पर उंगली रखी जा सकती हैं। और मत्ती और मरकुस की किताब में भी, जहां उसने कहा कि यह बड़े–बड़े चिन्ह और आश्चर्यकर्म आकाश में प्रगट होंगे, और लोग उन को तश्तरी कहते हैं, उड़न तश्तरी, जो शक्ति और विचार की गति से गायब हो सकती—सकती हैं, बुद्धिमत्ता जो इसे चला सकती है। वो लिख सकता है, वह बोल सकता है, वो जो चाहे वो कर सकता है। वो महान अग्नि का स्तंभ, "कल, आज, और सर्वदा एक सा है।" और पृथ्वी पर दृश्य दिखाई पड़ रहे है, पिरामिड रूपी धुंआ हवा में ऊपर उठ रहा हैं, बहुत ही ऊपर जहां पर नमी नहीं हो सकती और ना ही कुछ हो सकता है, तीस मील ऊपर। इसके घटित होने से एक डेढ़ वर्ष पहले बता दिया गया था, कि यह इस प्रकार से होगा। तब चित्र को घुमाकर और देखो कि यह कौन है जो नीचे देख रहा है। जो भी बताया गया उसमें एक वचन भी असफल नहीं हुआ, और यहां परमेश्वर के लिखित वचन की पुष्टि कर रहा है ये सत्य है। और अब ये फिर से सांझ का समय है। मैं सोचता हूं यदि वह वापस लौटेगा, अनुग्रह के द्वारा और अभी कुछ तो करता है जैसा उसने पहले किया था। आइए हम प्रार्थना करें और उससे मांगे। घटनाये प्रमाणित भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट हुई।

130 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हमारी सहायता करें। सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हमारी सहायता करे, कि उन बातों को समझ सके जो बातें हमें जाननी चाहिए, आपके वचन को समझे। और अब, प्रभु, अब हमने लगभग दो हजार वर्षों में उपदेश सुना है, किताबों के लेखन । और इन अंतिम दिनों में यहाँ यह फिर से वापस आ गया है, और अब यह सांझ के समय की ओर है। मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, और उनमें से बहुतों ने उस युग में से होते हुए आपके साथ बातें की हैं, और हो सकता है इस महान दिन के साथ–साथ वहां ना तो रात या दिन रहा है, जैसे कि भविष्यव्यक्ता ने कहा,

लेकिन सांझ के समय में उजियाला होगा। यीशु कब्र में से जी उठकर शमौन और स्त्रियों पर प्रगट हुआ, और उन्हें दिखाया कि वह जीवित था। वह सुबह का समय था। और फिर सांझ को वो फिर से वापस आया। लेकिन दिन में उनके साथ चला, उनके अंधेपन के लिए उन्हें फटकार लगाई, लेकिन फिर उसने सांझ के समय में स्वयं को उन पर प्रगट किया।

131 परमेश्वर, आज रात हमारी संगति में आये जो हमारे पास वचन के इर्द–गिर्द है। परमेश्वर, आज लोगों के बीच इस पर विश्वास करने वाले बहुत दुर्लभ है, लेकिन मैं धन्यवादित हूं कि आपने कुछ लोगों को बुलाया है और उन्हें अनंत जीवन के लिए नियुक्त किया है, और आपने कहा, "जितनो को पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आयेंगे।" और अब जबकि सांझ के उजियाले चमक रहे है, जबकि प्रभु आपने अनुमति दी है, कि एक भी भविष्यवाणी (सैकड़ों में से जो की गयी) कभी भी एक बार भी विफल नहीं हुई। तब सच में यदि यह पहचान देता है, तो यह आप ही होंगे, क्योंकि कोई व्यक्ति इतना सिद्ध या अचूक नहीं हो सकता है। बिल्कुल बाईबल के समान, कोई भी मनुष्य नहीं लिख सकता, कोई भी इस सोलह सौ वर्षों की समय अवधी में, चालीस विभिन्न लेखकों के द्वारा, नहीं लिख सकता था, और इसमें एक भी गलती नहीं हो।

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप आज रात आप स्वयं को इब्रानियों 13:8 का होते हुए प्रगट करेंगे, कि आप कल, आज और सर्वदा एक से है। और वे कार्य जो आपने तब किए, आप आज करे। और आपने प्रतिज्ञा की है, आपने कहा, "इन अंतिम दिनों में, जब कि संसार सदोम और अमोरा की भ्रष्टता में बैठा हुआ है, दूषित।" हम इन लड़कों की ओर देखते है जो कि लड़कियों के समान कपड़े पहनते है, और—और लड़कियां को लड़कों के समान व्यवहार करने की कोशिश करते देखते हैं, और इस दूषित युग में स्त्रियों और पुरुषों को देखते हैं, देखते है कामुकता का आकर्षण एक—एक मूर्तीपूजा के समान बन गया है। सुसमाचार एक ओर धकेल दिया गया है, और लौदिकिया कलीसिया में नग्नता है। हे परमेश्वर, क्या ही घड़ी है! आये, प्रभु यीशु, स्वयं को हम पर प्रगट करे। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम से मांगते हैं।

132 अब जबकि आपने अपने सिरों को झुकाया हुआ है, आपकी आंखें बंद है, मैं आपसे कुछ तो पूछने जा रहा हूं। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर

यहां पर है? क्या आप विश्वास करते हैं कि जो बातें आज की जा रही है, ये भविष्यवाणी का पूरा होना है? क्या आप विश्वास करते है कि यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है? क्या आप विश्वास करते हैं जब वह यहां उस दिन के लिए शरीर में प्रगट हुआ, और जो काम उसने वहां किए, उन्हें यहां पर फिर से इस दिन में दोहराना था? भविष्यव्यक्ता ने ऐसा ही कहा। बाईबल ने ऐसा कहा है। सारा का सारा वचन अवश्य ही पूरा होना है, यह असफल नहीं हो सकता। उसने खुद की कैसे पहचान दी? उसी भविष्यवक्ता के रूप में जिसके विषय में मूसा ने बोला था। लोगों के ह्रदय के भेदों को जानता था। स्त्री ने उसके वस्त्र को छुआ, वह मुड़ा और कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है।" जब शमौन पतरस उसके पास आया, तो वह उसका नाम जानता था, उसे बताया कि वह कौन था, उसका पिता कौन था। और वही सबसे प्रिय यीशु मरा नहीं है, वह हमेशा के लिए जीवित है। परमेश्वर की स्तुति हो! और अब इस सांझ के समय में, मैं विश्वास करता हूं, उसने हमें फिर से एक साथ बुलाया है।

133 ओह प्रभु यीशु, हमारे मध्य में आ जाये। हमें छोड़ कर आगे ना जाना। आओ, आज रात हमारे साथ रह इस रात के पूरा होने तक, तब कल हम आपके साथ जायेंगे; ताकि हम आपको आपकी पुनरुत्थान की सामर्थ में जान सके, ताकि आपका प्रेम और अनुग्रह और दया हमारे साथ हो। हे अनंत परमेश्वर, इन बातों को प्रदान करें। हम जानते हैं केवल अकेला परमेश्वर ही इन्हें प्रदान कर सकता है।

134 इस घडी के गंभीर भाव में, आइए हम यह कहे। परमेश्वर, हमारे पिता, हमारे निर्बल शरीर आपके लिए भवन है। लेकिन, प्रभु, आपका पवित्र करने वाला अनुग्रह, आपका पवित्र आत्मा, अभी आ जाए। हमें प्रत्येक संदेह और प्रत्येक उलझन, प्रत्येक संशय और संदेहवाद की प्रत्येक पंक्ति से शुद्ध करें जो भी हमारे भीतर है, जिससे कि हम बिना किसी संदेह के स्वतंत्र हो सके; बाहर आकर, हिम्मत से पतरस के समान स्वीकार करे, "तू मसीह है, कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

135 प्रभु, हम विश्वास करते हैं कि आपका वचन सत्य है। आइए हम जरा देखें, इससे पहले कि हम यह प्रार्थना पंक्ति आरंभ करें, प्रभु, स्वयं को हम पर प्रगट करे। जैसा कि आपने कहा, "जैसा लूत के दिनों में था," जब अब्राहम, वह बाहर बुलाया गया झुण्ड एक प्रतिज्ञा किये हुए के पुत्र की

प्रतीक्षा कर रहा था, लूत वहां नीचे आधुनिक बिली ग्राहम और एक ओरल रॉबर्ट को सुन रहा था उस सांप्रदायिक व्यवस्था के लिए वहां नीचे, एक राष्ट्र के रूप में। लेकिन अब्राहम बिना किसी संगठन के परदेशी था, यह छोटा सा झुंड उस देश में से होते हुए इधर–उधर भटक रहा था जिसका वह वारिस था। "और नम्र लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे।" एक दिन, पेड़ की छाया तले, जिस समय वे बैठे हुए थे, विश्राम कर रहे थे, परमेश्वर एक मनुष्य के रूप में वहां आ गया। दो दूत नीचे सदोम में चले गए। और परमेश्वर ने मनुष्य की देह में यह साबित किया कि वो वही था, उसने कहा, "अब्राहम, तेरी पत्नी साराह कहां है?" कुछ दिनों पहले, वो अब्राम था; और एस–ए–आर–आर–ए, सारा; ना ही साराह, "राजकुमारी।" और आपने उसे राजकुमारी के नाम के द्वारा पुकारा, एक राजा की बेटी। आपने अब्राहम को उसके नाम अब्राहम से पुकारा, राष्ट्रों का एक पिता। और आपने कहा, "मैं तुझ से भेंट करने वाला हूं।"

136 परमेश्वर, किस तरह से भविष्यवक्ता का हृदय उछल पड़ा होगा! वह ठीक तब जान गया कि आप कौन थे। कोई आश्चर्य नहीं उसने आपके पैर धोये, और जितना भी भोजन पदार्थ उसके पास था, और वह निकाल लाया और जो सबसे अच्छा है, इसे आपके सामने रखा। वह जानता था कि वहां यह परमेश्वर था। तब उसने कहा, "साराह कहाँ है?" जैसे कि वह ना जानता हो। और आप...

137 अब्राहम ने उससे कहा कि, "वह तंबू में है... वह तंबू में है, आपके पीछे।"

138 और आपने कहा कि क्या घटित होने जा रहा है। और उसने अपने हृदय में इस पर संदेह किया। और तब आपने—आपने अब्राहम से कहा, "साराह ने इस पर क्यों सन्देह किया, 'यह बातें नहीं हो सकती'? क्या परमेश्वर के लिए कोई बात कठिन है?"

139 हे परमेश्वर! यीशु, परमेश्वर का प्रगट किया हुआ वचन, आपने कहा, "जैसा सादोम के दिनों में था," संसार उस स्थिति में होगा ठीक अन्यजाति संसार के विनाश से पहले, अर्थात अन्यजाति का समयकाल। यहाँ हम हैं, पूरी तरह सदोमियों जैसे! और तब आपने कहा कि मनुष्य का पुत्र, जिसका हमेशा ही "भविष्यवक्ता," के समान उल्लेख किया गया, उस घडी में प्रगट होगा। हे परमेश्वर, अपने वचनों को पूरा करे। हम, आपके विश्वासी बच्चे,

सच्चे हृदयो से प्रतीक्षा करते है, कि हमें विश्वास दे, प्रभु, कि, जब हमारी प्रार्थना पंक्ति हो, तो लोग विश्वास करें। यह सांझ का समय है, पिता। परमेश्वर के पुत्र का सांझ का उजियाला होने दो (वह जो था, और जो है, और जो आने वाला है) स्वयं को भविष्यवाणी के द्वारा प्रगट करता है जो उसने की है। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

140 अब मैं बीमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए—के लिए तैयार हूं। लेकिन यह विचित्र बात है, कि कैसे जब हम यहां खड़े होते हैं। और यहां मैं खड़ा होता हूं और लोगो को चुनौती देता हूं, और राष्ट्रों में संचार प्रसारण से जुड़े होते है, कि परमेश्वर अब भी परमेश्वर है। वह विफल नहीं हो सकता। और जो भी वो प्रतिज्ञा करता है, वह उसे करेगा। वो इसे करने के लिए कभी भी विफल ना होगा, क्योंकि उसने इसे करने की प्रतिज्ञा की है। इसलिए मैं जो उसने कहा है उसमें पवित्र भरोसा रख सकता हूं। इसलिए मैं उसके आगमन के लिए देखता हूं, मैं किसी भी समय उसके प्रगट होने की बाट जोह रहा हूं, क्योंकि उसने कहा, "उस घड़ी में जिसमें तुम सोचते भी ना होंगे," संसार नही सोचता होगा, "तब वह प्रगट होगा।"

141 अब, जहाँ तक मैं जानता हूँ... मैं यहाँ अपने आराधनालय में हूं, और यहाँ थोड़े से लोग बैठे हुए हैं जिन्हें मैं—मैं नहीं जानता हूँ। भाई राईट्स, और थोड़े से लोग ठीक यहां पर बैठे हुए हैं, ठीक यही पर है, जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन वहां आप में बहुत से हैं जिन्हें मैं नहीं जानता। और मेरे पास यह कहने का कोई तरीका नहीं है कि परमेश्वर आज रात इसे करेगा। हमने उसे यह करते हुए वर्षों और वर्षों से देखा है, लेकिन सम्भव है वह आज रात इसे ना करे। मैं नहीं जानता। यह उस पर निर्भर करता है। वह सर्व–श्रेष्ठ है। वह जो चाहता है वह करता है। उसे कोई नहीं बता सकता कि उसे क्या करना है। वह अकेला ही बना रहता है, अपनी इच्छा और अपने मार्गों में। लेकिन क्योंकि उसने यह प्रतिज्ञा की है, मैं उससे इसे करने के लिए मांग रहा हूं। ना ही हमारे लिए, कि हमें इसकी आवश्यकता है, लेकिन हो सकता है किसी अपरिचित के लिए, कि पवित्र आत्मा का अभिषेक हो सके... अब अभिषेक हम पर है। अब, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह मुझे कितना अभिषेक करता है, उसे आपको भी अभिषेक करना है, निश्चय ही, विश्वास करने के लिये।

142 अब मैं प्रार्थना पंक्ति को लेना चाहता हूं, और मैं बीमारों के लिए प्रार्थना

करना चाहता हूं जितना अधिक मैं कर सकता हूं। अब, या तो हम पंक्ति को ले सकते है, कि लोगों को बुलाये और एक प्रार्थना पंक्ति यहां पर लाकर, और यहाँ हर एक के लिए प्रार्थना करें जो बीमार है, मैं समझता हूँ, मेरे सेवक भाइयों को यहां हमारे साथ आने के लिए बुलाता हूं, और आप पर हाथ रखे। हम निश्चित रूप से ऐसा कर सकते हैं। या फिर हम अपने पिता से मांग सकते हैं, वही केवल एक है जो आपके लिए कुछ भी कर सकता है, क्योंकि मेरे हाथ भी बस आप लोगों के जैसे ही है। लेकिन बात यह है, यह मनुष्य के हाथ नहीं है जो यह करते है; यह तो परमेश्वर का वचन है। वचन में जो विश्वास है ये ऐसा करता है। इस विषय में कोई वैज्ञानिक चीज नहीं है, यह पूरी तरह से अवैज्ञानिक है।

143 मसीही के पास उसके हथियारो में एक भी चीज नहीं है जो वैज्ञानिक हो। क्या आप इसे समझ गये? प्रेम, आनंद, शांति, सहनशीलता, भलाई, नम्रता, सज्जनता, धीरज, विश्वास, पवित्र आत्मा, विज्ञान के द्वारा सारी चीजें ना दिखने वाली है। और केवल यही चीज है जो वास्तविक और स्थायी है। हर एक चीज जिसे आप देखते हैं धरती पर से आती है और वापस धरती में चली जाती है। लेकिन वे चीजें जो आप अपनी आंखों से नहीं देख सकते, लेकिन इसे देखना अपने आप में घोषित करता है, यही अनंता का संसार है।

144 क्या आप विश्वास करेंगे, यदि परमेश्वर स्वयं को प्रगट करे और यह दिखाये कि वह यहां जीवित है, उन्हीं कार्यो को करते हुए जो उसने आरंभ में किए, इस संदेश के पश्चात, क्या आप इसे अपनी चंगाई के रूप में स्वीकार करेंगे? होने पाए परमेश्वर इसे प्रदान करे। अब मैं इस भवन में किसी से भी पूछ रहा हूं, कोई फर्क नहीं पड़ता आप कौन हैं या आप कहां से हैं, मैं आपसे केवल इस संदेश को सत्य होने के लिए दृढ़तापूर्वक विश्वास करने के लिए कह रहा हूं। यही वह संदेश है जो परमेश्वर के पास बाईबल में इस घड़ी के लिए है, कि आज रात यीशु मसीह यहां पर है और जीवित है। अब लगभग...

145 आप सभी लोग मेरे बारे में जानते हैं, मैं ठीक इसी शहर से हूं जहाँ पर मैं पला–बड़ा था। मेरे पास यहाँ तक व्याकरण स्कूल की शिक्षा भी नहीं है। यह बिल्कुल सही बात है। और आप मुझे काफी लम्बे समय से जानते हैं, मैं आशा करता हूं कि मैंने आपके सामने दिखाया है कि मैं

ईमानदार और सच्चा जीवन बिताया है। मैं एक ढोंगी नहीं हूं। यहां तक कि मेरे आलोचक भी यह नहीं कहते। वे, वे बस कहते हैं, "आप—आप एक ढोंगी नहीं है, लेकिन आप बस पूरी तरह गलत हो। आप केवल अज्ञानता में गलत हो, ना ही जानबूझ कर।" मैं नहीं सोचता कि मैं अज्ञानता में गलत हूं, क्योंकि परमेश्वर का वचन मेरे संदेश की पुष्टी करता है, और ये बात आपको बताना चाहिए कि यह कौन है। और आप स्पष्ट रूप से मुझे कहते हुए सुनते हैं कि यह मैं नहीं हूं, इसलिए तब यह वहीं होना चाहिए। क्या यह सही बात है? तब परमेश्वर में विश्वास रखें। इस ओर देखें, और आप परमेश्वर पर विश्वास करते हैं। यदि आप परमेश्वर पर विश्वास कर सकते हैं, तो परमेश्वर आपको प्रदान करेगा। यदि वह ऐसा कर सकता है जैसा उसने पहले किया, तो फिर वह अब भी परमेश्वर है। आप इसका विश्वास करते हैं?

146 आप इसका विश्वास करते हैं? एक महिला जो यहां मेरे सामने बैठी है, मेरी ओर देख रही है, आंसू उसकी आंखों में है, ईमानदारी से। मैं नहीं जानता कि वह कौन है, उसे मैंने कभी नहीं देखा। मैं आपके लिए अपरिचित हूं। क्या आप सोचती हैं कि परमेश्वर आपके हृदय के भेद को जानता है, आपकी इच्छाओं को, या आपके पापों को, या यह जो कुछ भी है? आप सोचती हैं कि वह जानता है? आप सोचती हैं कि वह मुझ पर जो आपका पाप है उसे प्रगट कर सकता है, जो आपने किया है जो आपको नहीं करना चाहिए था, या आपकी इच्छा को, यह जो भी है? यदि वो इसे करता है, तो क्या यह आपको उस पर विश्वास करने को, जानने को लगाएगा, कि यह उसे ही होना है? क्या आप इसे उसी के समान स्वीकार करेगी? यह आपका पाप नही है जो आपको परेशान कर रहा है; आपने उसे स्वीकार कर लिया है। लेकिन आप उसके पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को चाहती हैं। आप इसे पायेगी। मैं इसे उस पर उतरते देख रहा हूं।

147 ताकि आप जान सके कि मैं उस स्त्री की ओर देख रहा था, वह मेरी ओर देख रही थी, मैं आपको पवित्र आत्मा को दिखाना चाहता हूं। यहाँ देखो, इस छोटी सी महिला की ओर देखिए, जो यहाँ बैठी हुई है, नीचे यहाँ मेरे पैरों के नीचे। जब मैंने यह कहा, यही वह चीज है जो वह चाहती थी, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। आप विश्वास करती है कि आप इसे ग्रहण करेंगी, बहन? तो फिर, अपना हाथ उठाये। मैंने इस महिला को कभी नहीं देखा, ज्ञात हो।

148 देखिए यह मनुष्य यहाँ नीचे अपने सिर को झुकाए हुए बैठा है, उसका कॉलर ठीक नही है, और इत्यादि। आप मूत्राशय की परेशानी से पीड़ित हैं। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? यदि आप इसे स्वीकार करते है तो अपना हाथ उठाये। तो ठीक है, परमेश्वर ने आपकी विनंती को आपको प्रदान किया है।

149 यह युवा पुरुष ठीक यहां पर बैठा है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मा को चाहता है। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर इसे आपको देगा; श्रीमान, आपकी सफेद घारी की टाई जो पीछे लटक रही है? परमेश्वर यह प्रदान करेगा।

150 यह व्यक्ति यहां अपनी पत्नी के लिए प्रार्थना कर रहा है। उसकी पत्नी एक संस्थान में है। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर उसे चंगा करेगा, उसे स्वस्थ कर देगा? आप इसे विश्वास करते हैं? तो आपके पास ये हो सकता है।

151 आपका हाथ जो आपके गले पर है आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर हृदय की उस स्थिति को चंगा कर सकता है जो आपको परेशान कर रही है, पेट का रोग जो आपको है? इस समय आप वहां बैठे हुए, ठीक अभी इससे पीड़ित है। क्या यह सही है? आप विश्वास करते हैं कि वह आपको चंगा करता है? तो आपके पास ये हो सकता है। आमीन।

152 आप देखे कि वो कल, आज और सर्वदा एक सा है। उन लोगों से पूछे, क्या मैं उन्हें जानता हूं। मैं नहीं जानता, लेकिन वह जानता है। आमीन। उस उजियाले को उस ओर दीवार के एक ओर देखें, ठीक वहां पर बैठे हुए एक व्यक्ति के ऊपर मंडरा रहा है। वह पीठ की रीढ़ की हड्डी की बीमारी से पीड़ित है। वह यहां से नहीं है, वह जॉर्जिया से है। श्रीमान डंकन, अपने पूरे हृदय से विश्वास करें, परमेश्वर उस पीठ की तकलीफ को चंगा करेगा। आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं? परमेश्वर आपको आशीष दे।

153 यहाँ एक व्यक्ति है जो यहाँ पीछे बैठा हुआ है, पीठ की तकलीफ के साथ, मेरी ओर देख रहा है। मैं उसे नहीं जानता, लेकिन यह श्रीमान थॉम्पसन है। आप विश्वास करते हैं? खड़े हो जाये, श्रीमान, वहां पीछे, जिससे कि... मैं आपके लिए एक अपरिचित हूं। यह सही है। लेकिन आप वहां बैठे हुए हैं, प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी पीठ की परेशानी अब ठीक हो गयी है। यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

154 "यह लगभग सांझ के समय उजियाला होगा।" क्या आप नहीं देखते? वह आज रात यहां पर है! वो महान **मैं हूं** है। वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। क्या आप इसे विश्वास करते हैं? क्या आप संतुष्ट और आश्वस्त हैं कि यह यीशु मसीह है जो स्वयं को ज्ञात करवा रहा है, भविष्यवाणी में स्वयं की पहचान दे रहा है?

155 आंख के विषय में चिंता मत करो। परमेश्वर बीमारों और पीड़ितों को चंगा करता है।

156 कितने लोग... कितने लोग यहां पर है, जो बीमार है? आइए आपके हाथों को देखें। बस ऐसा प्रतीत होता है जैसे यह बहुत खींचाव और तनाव है। क्या आप लोगों में से किसी के पास प्रार्थना कार्ड हैं? " मुझे नहीं पता कि मैं आपको यहाँ से कैसे निकाल पाऊंगा। मैं आपके लिए प्रार्थना करना चाहता हूँ, और मुझे नहीं पता कि इसे कैसे करना है। आप देखते है क्या, दीवार की ओर देखो, मैं उन्हें वहाँ कैसे लाऊंगा? यदि एक गलियारा जाम हो गया तो क्या होगा? आपने दूसरे वाले को ठीक वहां जाम कर दिया है, हर कोई अब भी रुका हुआ है।

157 सुनना, मुझे सुने। क्या मैंने आपको कभी प्रभु के नाम पर ऐसा कुछ कहा है जो पूरा नहीं हुआ? क्या ये सही है? हर एक चीज हमेशा ही सही रही है। मैंने कभी भी आपसे अपने जीवन में एक भी पैसा नहीं मांगा, क्या मैंने मांगा? एक बार भी नहीं। मेरे जीवन में एक प्रेम भेंट नहीं ली। मैं यहां पर पैसे के लिए नहीं हूं। मैं यहां आपको भरमाने के लिए नहीं हूं। मैं यहां इस घड़ी के लिए परमेश्वर का वचन प्रगट करने के लिए हूं। मैंने आपको सत्य बताया है, और परमेश्वर ने गवाही दी है कि यह सत्य है। अब मैं आपको बताता हूं, कि **वचन यों कहता है**, कि यदि विश्वासी अपने हाथो को बीमारों पर रखता है, यीशु ने कहा, "वे चंगे हो जायेंगे!" क्या आप इसका विश्वास करते हैं? तब, यदि परमेश्वर की उपस्थिति में, क्या आप विश्वास नहीं करते कि वह ठीक इसे अभी करेगा?

158 अब अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें, और बस एक मिनट तक वहां रुके रहे। अब, प्रार्थना नही—नही करें, केवल अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें; वहां बाहर देश में। और मैं, स्वयं, मैं अपने हाथों को इन रूमालों के ऊपर रख रहा हूं। अब मैं चाहता हूं कि आप मेरी ओर एक मिनट के लिए देखें। क्पा परमेश्वर ने अधूरा छोड़ा है? देखो वह कैसा है, जो वचन हमने

पढ़ा है, वे भविष्यवाणियां जो कि हमने आपको बताई हैं, कि यीशु ने स्वयं की भविष्यवाणियों के द्वारा पहचान दी। अब समय की ओर देखें, और इस अंतिम तीन सप्ताहों में जहां हमने समय को यथा स्थान पर रखा है जिसमें हम रह रहे हैं। उसे देखो जो हमने पढ़ा है, झूठे भविष्यद्वक्ताओं के विषय में क्या है और लगभग वे चिन्ह जो चुने हुओं को भरमायेंगे। वचन किस प्रकार से प्रगट हुआ है, कैसे इस युग के ईश्वर ने अंधा कर दिया झूठ... लोगों के ह्रदय को। और किस तरह से उस परमेश्वर ने स्वयं अपनी भविष्यवाणियों के द्वारा कहा कि यह बातें इस लौदिकिया के युग में घटित होंगी। कुछ भी अधूरा नहीं छुटा है। परमेश्वर यहां पर बस वही परमेश्वर है जिसने उन लोगों से इम्माऊस पर बातें की, जिसने स्वयं की भविष्यवाणियों के द्वारा पहचान दी जो उसके विषय में पहले से कही गई, वह आज रात यहां पर है अपनी उपस्थिति को पहले से इस युग के लिए बताई गई भविष्यवाणियों के द्वारा पहचान दे रहा है। वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। क्या आप इसका विश्वास कर सकते हैं? तो फिर अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें। अपने लिए प्रार्थना ना करें, लेकिन अपने तरीके से उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें जिस पर आपने अपना हाथ रखा है, क्योंकि वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। अब देखिए, संदेह ना करें।

159 और अब यदि आप वो देख सके जिसकी ओर मैं देख रहा हूं! और आप जानते हैं कि मैं यहां पर खड़े होकर आपसे झूठ नहीं बोलूंगा। यदि आप देख सके, और आपका विश्वास उस महान पवित्र आत्मा को खींच सके जो उस ओर वातावरण—वातावरण में मंडरा रहा है, जिसकी तस्वीर विज्ञान ने ली है, और इसे इस भवन में से होते हुए देखे, और उस स्थान को ढूंढने की कोशिश कर रहा है कि—कि उस पर उतरे, लंगर के स्थान को ढूंढने की कोशिश कर रहा है। केवल इसका विश्वास करें, मेरे भाई। उसने इसे वचन और इत्यादि के द्वारा पहचान दी है, कि यह सही है। अब जिसके ऊपर आपने हाथ रखा हुआ है उसके लिए सच्चाई से प्रार्थना करें; वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

160 नासरत के प्रिय यीशु, क्योंकि, हम सचेत हैं, प्रभु, वचन के द्वारा, कि आप यहां पर हैं, इस प्रतिज्ञा के द्वारा कि आप यहां पर हैं, "जहां कहीं मेरे नाम से दो या तीन एकत्र होंगे, वहां मैं उनके मध्य में हूं। और विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे; यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" टेलीफोन की उन तरंगो पर बाहर, होने पाए कि महान

पवित्र आत्मा हर एक सभा के अंदर जाए। होने पाए वही पवित्र उजियाला जिसे हम ठीक यहां कलीसिया में देखते हैं, होने पाए यह हर एक जन पर और प्रत्येक पर उतरे, और होने पाये वे इस समय चंगे हो जाये। हम शत्रु को फटकारते है, शैतान को, मसीह की उपस्थिति में; हम शत्रु से कहते हैं, कि वह हारा हुआ है, उस—उस दूसरे के स्थान पर पीड़ा को सहने के द्वारा, प्रभु यीशु की मृत्यु और तीसरे दिन के विजयी पुनरुत्थान में; और उसकी यहां प्रमाणित उपस्थिति कि वह आज रात हमारे मध्य में है, जीवित, उन्नीस सौ वर्षों पश्चात। जीवते परमेश्वर का आत्मा प्रत्येक ह्रदय को विश्वास और सामर्थ से भर दे, और चंगाई के सद्गुण जो यीशु मसीह के पुनरुत्थान से है, जो अब इस महान उजियाले के द्वारा कलीसिया के चक्कर लगाते हुए पहचान को देता है, उसकी उपस्थिति में। यीशु मसीह के नाम में, इसे परमेश्वर की महिमा के लिए प्रदान करें।

161 होने पाए कि यह रूमाल जिन पर हम प्रार्थना कर रहे हैं, होने पाए यह बीमारों और पीड़ितों के पास जाए जिस उद्देश्य के लिए वे है। होने पाए कि वही पवित्र आत्मा जो अब यहां पर है स्वयं की पहचान देते हुए, हर एक रोगी के ऊपर स्वयं की पहचान को दे, जिस पर यह रखा जाता है। होने पाए कि परमेश्वर की उपस्थिति उनके ह्रदय में विश्वास के साथ इतनी भर जाए इतना तक कि उनके शरीर का रोग चंगा हो जाए। यह हम परमेश्वर की महिमा के लिए यीशु मसीह की उपस्थिति में मांगते है और यीशु मसीह के नाम में, जैसा कि हम यीशु मसीह के सेवक इसे मांगते हैं। आमीन।

162 अब आपके ह्रदय में, मैं चिन्ता नहीं करता कि आपके साथ क्या गडबड है, क्या आप, अपने ह्रदय से, अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते है कि परमेश्वर का वचन आपके निवेदन को प्रदान कर चुका है? मैं विश्वास करता हूं कि प्रत्येक हाथ, जो मैं देख सकता हूं, ऊपर उठा। यदि आप विश्वास करते हैं, अब याद रखे, कि यह समाप्त हो गया है।

163 आप जो बाहर टेलीफोन प्रसारण पर है, यदि आपने अपने पूरे ह्रदय से विश्वास किया है, जैसा कि सेवक लोग आप पर हाथ रखे हुए हैं, और आपके प्रिय जन आप पर हाथ रखे हुए हैं, यदि आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं कि यह समाप्त हो गया है, तो यह समाप्त हो गया है। वो महान पवित्र आत्मा, वह यहां आज रात आराधनालय में है। मैंने उसे लोगों के ऊपर मंडराते हुए देखा है स्वयं को यहां किनारे की दीवार पर दर्शाया,

और एक मनुष्य पर नीचे उतरा, और पूरे भवन से होते हुए यहां आया, ह्रदय के गुप्त विचारो को बता रहा है, उसकी उपस्थिति की पहचान देते, यह दिखाने के लिए कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। वह हमारे मध्य में है! वो परमेश्वर है, कभी भी ना असफल होने वाला परमेश्वर।

164 और क्हा हमारे ह्रदय हमारे भीतर नहीं जल उठे, और क्या अब नहीं जल रहे है, यह जानते हुए कि हम अब पुनरुत्थीत हो उठे यीशु मसीह की उपस्थिति में हैं, जिसकी महिमा और स्तुति सदा के लिए होती है; जो यहोवा सर्वशक्तिमान के प्रगट स्वरूप में है; जो आग के खंभे के रूप में जलती हुई झाड़ी में नीचे उतर आया, कि भविष्यव्यक्ता के ध्यान को आकर्षित करे; जो पहाड़ पर नीचे उतर आया था, और यहाँ तक जो कोई भी इसे छूता, उसे मार डाला जाता था, सिवाय मूसा और यहोशू के। किस तरह से इसने इस्राएल की संतान को जंगल में से होते हुए उनकी यात्रा में मार्गदर्शन किया, आज बाहर बुलाए गए लोगों के प्रतिछाया के रूप में। यहां है वो, वैज्ञानिक अनुसंधान के द्वारा, यहां तक कि विज्ञान के सामने स्वयं की पहचान दी। और उसके उन्हीं कार्यो के द्वारा और उसी भविष्यवाणी के द्वारा, वे बातें जो उसके लिए इस दिन में करने के लिए भविष्यवाणी की गई है, ताकि उसे कल, आज और युगानुयुग एक सा बनाये, जो सिद्ध रूप से प्रमाणित हो चूका है। क्या यह हमारे ह्रदय को हमारे भीतर जलाने के लिए पर्याप्त नहीं है? परमेश्वर आपको आशीष दे।

165 अब एक सहमति के साथ, आइए हम खड़े होकर कहे: "अब मैं यीशु मसीह को उद्धारकर्ता और चंगा करने वाले के रूप में स्वीकार करता हूं। और उसके अनुग्रह के द्वारा, इस समय से आगे, हे परमेश्वर, कोई भी अविश्वास कभी मेरे ह्रदय में प्रवेश ना करे, क्योंकि मैंने देख लिया है कि भविष्यवाणी आज के दिन की पूरी हुई है। मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह जीवित है और अब इस घड़ी के अपने वचन की पुष्टि कर रहा है। इस घड़ी की भविष्यवाणियां जो उसके लिए लिखी गई, अब हमारे मध्य में पूरी हुई है। वह मेरा उद्धारकर्ता है, मेरा परमेश्वर, मेरा राजा, मेरा सब कुछ है।"

166 प्रिय परमेश्वर, हमारी गवाही को सुने। और हमें दिन प्रतिदिन जीवन की रोटी देना। और हम आपको स्तुति देते हैं, हे परमेश्वर, अपने ह्रदय की गहराई से। वो एक जो सामर्थी है, हम आपकी स्तुति करते हैं,

भविष्यव्यक्ताओं का परमेश्वर। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

ओह, क्या ही क्षण है, क्या ही समय है!

... केवल विश्वास करें;
केवल विश्वास करें, बस केवल विश्वास करें,
सारी बाते संभव है, केवल विश्वास करें।

होने पाए हम इसे इस प्रकार से गा सकते है।

अब मैं विश्वास करता हूं, ओह, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बाते संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं;
अब मैं विश्वास करता हूं, ओह, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बातें संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं।

क्या यह आपकी गवाही है? अब जैसे कि हम अपने सिरों को झुकाते हैं:

जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
जब तक हम यीशु के चरणों में नहीं मिलते;
जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं मिलते!

[भाई ब्रन्हम गुनगुनाते हैं, *परमेश्वर आपके साथ हो*—सम्पा।] (क्या आप कुछ कहना चाहते हैं? वेयल।)

... यीशु के चरणों में;
जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं मिलते!

167 अपने झुके हुए सिरों के साथ, भाई वेयल यहां पर प्रार्थना के साथ समाप्त करने के लिए खड़े है। भाई ली वेयल, वो आराधनालय के लिए लिखने का काम करते है, साहित्य और किताबो और इत्यादि चीजों को। बहुत ही बहुमूल्य भाई, वो बहुत से अभियानों में मेरे साथ रहे है। काश कि मेरे पास अवसर होता कि मैं हर एक सेवक को यहां ऊपर लाता और उनसे

बातें करता। आप समझते हैं, मैं वास्तव में चाहता हूं। हर एक सेवक, आप लोगो को यहां पाकर हम खुश हैं। सारे जन–साधारण, विभिन्न कलीसियाओ के लोग, वे जो भी है, हम आप लोगो को यहां पाकर खुश हैं। और वास्तव में हमारी यह एक दूसरे के लिए प्रार्थना है, "परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं मिलते।" अपने झुके हुए सिरों के साथ, और हमारे उठे हुए हाथो के साथ, आइए हम इसे फिर से परमेश्वर के लिए बहुत ही मधुरता से गाये।

जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
जब तक हम यीशु के चरणों में नहीं मिलते!
जब तक हम नहीं मिलते! जब तक हम नहीं मिलते!
परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम फिर से नहीं मिलते!

65-0801E घटनायें भविष्यवाणी के द्वारा स्पष्ट की गयी
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org